दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-30 अंक-287 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 29 दिसम्बर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह, राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

-बेटी ने दी मुखाग्नि

नईदिल्ली, (आरएनएस)। आर्थिक सुधारों के जनक पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए. पूर्व पीएम की बेटी ने उन्हें मुखाग्नि दी. उनका निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. तीनों सेनाओं ने उन्हें सलामी दी.इससे पहले निगम बोध घाट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने उन्हें श्रद्धांजली दी. राहुल गांधी ने उन्हें कंधा भी दिया.अंतिम यात्रा से पहले सिंह का पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय में रखा गया था, जहां कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. पूर्व प्रधानमंत्री का पार्थिव शरीर उनके आवास से सुबह करीब नौ बजे कांग्रेस मुख्यालय लाया गया, जहां पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनके अंतिम दर्शन के लिए पहले से ही इंतजार कर रहे थे. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर रखे जाने के बाद सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा तथा पार्टी के कई अन्य नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर और उनके परिवार के कुछ अन्य सदस्य भी कांग्रेस मुख्यालय में मौजूद थे. गुरशरण कौर ने भी पुष्प अर्पित करके अपने पति को अंतिम विदाई दी.राहुल गांधी मनमोहन सिंह के परिवार को ढांढस बंधाते हुए उनके साथ पार्टी मुख्यालय के भीतर दाखिल हुए थे. मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक 10 वर्ष देश के प्रधानमंत्री रहे और उससे पहले उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में मदद की. उनके नेतृत्व वाली सरकार ने सूचना का अधिकार (आरटीआई), शिक्षा का अधिकार (आरटीई) और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जैसी युग परिवर्तनकारी योजनाओं की शुरूआत की. मनमोहन सिंह 1991 में नरसिम्हा राव सरकार में भारत का वित्त मंत्री नियुक्त किया गया था.। बता दें कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गरुवार रात दिल्ली स्थित एम्स में निधन हो गया. वह 92 वर्ष के थे.

मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जमीन आवंटित करेगी सरकार

गृहमंत्रालय ने पूर्व पीएम के परिवार को दी जानकारी

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है. आज दिल्ली के निगम बोध घाट पर उनका अंतिम संस्कार होगा. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस बीच शुक्रवार रात घोषणा की कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए भारत सरकार जगह आवंटित करेगी. मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने सरकार के इस फैसले की जानकारी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार को दे दी है. मंत्रालय के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखा था. पत्र में उन्होंने आग्रह किया था कि डॉ. मनमोहन सिहं का अंतिम संस्कार ऐसे जगह हो, जहां उनका स्मारक बनाया जा सके.।

बारामूला में मौसम की पहली बर्फबारी के बाद बर्फ से ढके पहाड़ों की पृष्ठभूमि में बर्फ से ढके घर दिखाई दे रहे हैं.

खराब मौसम ने बढ़ाई यात्रियों की मुश्किलें, श्रीनगर एयरपोर्ट की सभी उड़ानें रद्द की गई

श्रीनगर, (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम ने यात्रियों की मुश्किलों को बढ़ा दिया है. खराम मौसम की वजह से श्रीनगर एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं. ऐसे में उन लोगों से अनुरोध किया जाता है कि अगर वे जम्मू-कश्मीर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो फ्लाइट के संबंध में जानकारी जरूरी जुटा. ऐसा करने से उनको फ्लाइट कैंसल होने की वजह से होने वाली परेशानियों से दो चार नहीं होना पड़ेगा. बता दें कि जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में शुक्रवार को सीजन की बर्फबारी पड़ी, जिसके चलते वैली के कई इलाकों में पारा शून्य से नीचे चला गया है. श्रीनगर एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में जानकारी दी. श्रीनगर एयरपोर्ट ने पोस्ट किया, खराब मौसम की वजह से श्रीनगर एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं.साथ ही श्रीनगर एयरपोर्ट ने यात्रियों को एक जरूरी सलाह भी दी है. श्रीनगर एयरपोर्ट ने कहा, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपडेट के लिए अपनी एयरलाइन से संपर्क करें. श्रीनगर एयरपोर्ट ने यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए खेद भी जताया है. बर्फबारी की वजह से जम्मू-कश्मीर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया. यहां के कई इलाकों में शुक्रवार को शुरू हुई बर्फबारी शनिवार को भी जारी है. पीर पंजाल सुरंग और श्रीनगर शहर के बीच जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंसे रहे. सड़कों पर बर्फ की मोटी चादर जम गई है. सड़कों पर कई गाड़ियां फंसी हुई हैं. स्थानीय प्रशासन सड़कों पर जमी बर्फ को हटाने की कोशिश में लगा हुआ है.

शादी समारोह में भड़क गए पंडित जी, 'दूल्हे के दोस्तों' पर फेंक मारी थाली

नई दिल्ली (आरएनएस)। एक शादी समारोह में पंडित जी का गुस्सा देखने को मिला जब मेहमानों ने फेरों के दौरान मस्ती करते हुए उन पर फूल फेंके। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि पंडित जी विवाह मंत्र पढ़ रहे हैं और इसी दौरान मेहमान वर-वधू पर फूलों की वर्षा कर रहे हैं। कुछ फूल पंडित जी पर भी गिरते हैं। इस पर पंडित जी गुस्से में आ जाते हैं और थाली फेंककर मेहमानों की तरफ बढ़ जाते हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने खुद को संभाला।

यह घटना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। लोग इस घटना पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। कुछ लोग पंडित जी के गुस्से को सही ठहरा रहे हैं तो कुछ लोग मेहमानों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर GaurangBhardwav नाम के यूजर ने यह वीडियो शेयर किया है।

पेसा कानून के समस्त दावों का समय-सीमा में करें निराकरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन में स्थानीय निवासियों और सामाजिक संस्थाओं को जोड़ें जाए

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर गठित टास्क फोर्स की बैठक

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पेसा कानून में प्रस्तुत समस्त दावों का निराकरण समय-सीमा निर्धारित कर प्राथमिकता पर किया जाए, आगामी कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में इसकी समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेसा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनजातीय कार्य विभाग में पेसा सेल गठित करने पर सहमति प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में समस्त पात्र भाई-बहनों का शत-प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश तेंदूपत्ते का बड़ा उत्पादक है, लेकिन इसका व्यावसायिक उपयोग अन्य राज्यों में होता है। तेंदूपत्ता संग्राहकों और इससे जुड़े विभिन्न व्यवसायों को प्रदेश में ही प्रोत्साहित करने एवं जनजातीय भाई-बहनों को इसके लाभ दिलवाने के लिए रणनीति बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित टास्क फोर्स की कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने पर दिए गए दिशा-निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने के लिए राज्य शासन द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन अनुसार ग्रामवासियों को रिकार्ड ऑफ राइट्स शीघ्र प्रदानकिए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तर पर वन, राजस्व और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी समन्वय से कार्य करें। प्रदेश में विद्यमान 925 वन ग्रामों में से 827 को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। इनमें से 792 को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित कर अब तक 790 ग्रामों का गजट नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय भाई-बहनों के जीवन स्तर में सुधार और वन क्षेत्रों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन में स्थानीय निवासियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, इसके साथ ही सामाजिक संस्थाओं को जोड़ते हुए गतिविधियों का विस्तार किया जाए। बैठक में मध्यप्रदेश वन अधिकार अनिधियम के प्रावधानों और उसके क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में विधि विशेषज्ञ डॉ. मिलिंद दांडेकर, विषय विशेषज्ञ डॉ. शरद लेले, मिलिंद थत्ते, पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य गुलशन बामरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल में तेज बारिश के साथ गिरे ओले

भोपाल, (आरएनएस)। शनिवार दोपहर करीब 45 मिनट तक हुई बारिश ने राजधानी को तरबतर कर दिया। मक्का के दाने के आकार के ओले गिरे और तेज हवा चली। बारिश के बाद मौसम साफ हुआ और धूप खिल गई।दोपहर 12:30 बजे बारिश शुरू हुई, जिससे एमपी नगर, अशोका गार्डन, नादरा, बैरसिया, कोलार, न्यू मार्केट, अवधपुरी, अयोध्या बाइपास, और रायसेन रोड जैसे इलाके प्रभावित हुए। कुछ जगहों पर पानी भर गया और ओले भी गिरे, बारिश थमने के बाद धूप निकल आई।

तीसरी बेटी होने पर पति ने पत्नी को जिंदा जलाया, आग की लपटों में घिरी सड़क पर दौड़ी महिला

परभणी (आरएनएस)। परभणी से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया। घटना रात करीब 8 बजे की है, जब आरोपी ने अपनी पत्नी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग की लपटों में घिरी महिला को सड़क पर भागते हुए देखा गया, जहाँ कुछ लोगों ने पानी और चादर से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इस घटना का CCTV फुटेज अब सामने आया है, जो इस भयावह घटना की गवाही देता है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी कुंडलिक काले परभणी के फ्लाई ओवर इलाके में अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ रहता था। कुछ दिन पहले ही वह तीसरी बार पिता बना था, और इस बार भी बेटी होने के कारण वह अपनी पत्नी से नाराज़ था। पहले से ही उसकी दो बेटियां थीं।मृतक महिला की बहन ने पुलिस थाने में कुंडलिक काले के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कुंडलिक को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

आर के पुरम में नाले का बड़ा हिस्सा धसा, 25 फीट गड्ढे में समाई कार

नई दिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली के आर के पुरम सेक्टर 9 में शनिवार रात संगम सिनेमा के पास स्थित नाले का लेंटर धसने से सड़क का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया. इस घटना में लगभग 25 फीट लंबा और 10 फीट चौड़ा गड्ढा बन गया, जिसमें एक कार और एक बाइक समा गई. हालांकि, गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई भी घायल नहीं हुआ.इस घटना के पीछे शुक्रवार रात को हुई तेज बारिश को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है. भारी वर्षा के चलते नाले के लेंटर पर बढ़ते दबाव ने उसे तोड़ने के लिए मजबूर कर दिया. स्थानीय लोगों ने बताया कि नाले की हालत पिछले कई महीनों से खराब थी, और इस प्रकार की अनहोनी की आशंका पहले से ही जताई जा रही थी.घटना की जानकारी मिलने के बाद, स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया. एक क्रेन की मदद से गड्ढे में फंसी बाइक और कार को निकाला गया.

किसान नेता डल्लेवाल ने इस दिन खनौरी बॉर्डर पर बुलाई महापंचायत, लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद

नई दिल्ली (आरएनएस)। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने 4 जनवरी को खनौरी बॉर्डर पर एक विशाल महापंचायत बुलाई है। इस महापंचायत में लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। इसके साथ ही, डल्लेवाल ने कहा कि वह 4 जनवरी को मंच से किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 30 दिसंबर को पंजाब बंद का आह्वान को व्यापक समर्थन मिल रहा है। आज सुप्रीम कोर्ट में किसान आंदोलन से जुड़े एक मामले की सुनवाई हुई। हालांकि, केंद्र सरकार के वकील की तबीयत खराब होने के कारण सुनवाई पूरी नहीं हो पाई। कोर्ट ने केंद्र सरकार को किसानों के साथ बातचीत करने के लिए कहा है।

डल्लेवाल ने सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार किसानों की मांगों को अनदेखा कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान सरकार को जगाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी खनौरी बॉर्डर पहुंचे और उन्होंने किसान नेता डल्लेवाल से मुलाकात की।

पत्नी-बेटे का किया मर्डर, फिर मां-बाप को चाकू से गोदा; पढ़े ये दिल दहला देने वाला मामला

सूरत ,(आरएनएस)। गुजरात के सूरत में एक दिल दहलाने वाली घटना में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बच्चे की हत्या कर दी और अपने माता-पिता पर जानलेवा हमला किया। यह घटना शहर के सरथाना इलाके में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी स्मिथ गियानी ने पारिवारिक विवाद के चलते यह खौफनाक कदम उठाया। उसने अपने परिवार के सदस्यों पर चाकू से हमला किया। हमले में उसकी पत्नी और बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी ने हमले के बाद खुद को भी चोट पहुंचाई, लेकिन उसे बचा लिया गया।

सोनीपत : लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित नरवाल गिरफ्तार

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की सोनीपत यूनिट ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित नरवाल को गिरफ्तार किया है। अंकित फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की योजना बना रहा था। वह चार गंभीर अपराधों में शामिल था और हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया था।सोनीपत एसटीएफ को जानकारी मिली थी कि अंकित नरवाल, जो सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहता था, विदेश भागने की तैयारी कर रहा था। इस पर एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए अंकित को गिरफ्तार किया। अंकित पर चंडीगढ़ में दो युवकों की हत्या सहित कई गंभीर अपराधों का आरोप है। एसटीएफ ने उसकी योजना को नाकाम कर दिया और उसके खिलाफ सबूत जुटाए।डीएसपी इंदिवर ने बताया कि अंकित ने बरोदा थाना इलाके में फर्जी कागजात के आधार पर पासपोर्ट बनवाया था। इस मामले में बरोदा थाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया। अब एसटीएफ यह पता लगा रही है कि अंकित को फर्जी पासपोर्ट बनाने में किसने मदद की।अंकित के खिलाफ पहले भी चार संगीन अपराधों के आरोप थे।डीएसपी ने बताया कि अंकित नरवाल को चार दिन के पुलिस रिमांड पर रखा गया है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस जानने की कोशिश कर रही है कि वह किन लोगों के साथ मिलकर यह फर्जी दस्तावेज तैयार करवाता था और पासपोर्ट की सत्यापन प्रक्रिया में कौन शामिल था। जांच अभी जारी है।उन्होंने बताया कि हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स इस मामले में सक्रिय रूप से जांच कर रही है और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। पहले भी ऐसे मामलों में युवकों की पहचान की गई है जो फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की कोशिश करते हैं।

उर्वरकों की समय रहते उपलब्धता सुनिश्चित की जाएं - मुख्यमंत्री डॉ.यादव

जैविक तथा प्राकृतिक खाद के उपयोग के लिए किसान स्तर तक प्रोत्साहन की व्यवस्था हो

भोपाल (निप्र) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यूरिया, डीएपी जैसे रासायनिक उर्वरकों की समय रहते उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए गौवंश आधारित जैव उर्वरकों के उपयोग को प्रदेश में प्रोत्साहित किया जाए। कृषक, पारम्परिक अनुभव और स्वयं की पहल पर बड़े पैमाने में जैविक खाद का उपयोग कर रहे हैं। यह मिट्टी की गुणवत्ता और धरती की सेहत के लिए भी लाभप्रद है। उपयोग की जा रही जैविक खाद की मात्रा की गणना और दस्तावेजीकरण की आवश्यकता है। इस आधार पर प्रदेश में जैविक खाद के उपयोग को बढ़ाने के लिए कृषकों को प्रोत्साहित करने का मॉडल विकसित किया जाए। राज्य की यह पहल अन्य प्रदेशों के लिए भी अनुकरणीय होगी। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए जैविक तथा प्राकृतिक खाद जैसे विकल्प किसानों को उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में उर्वरक प्रबंधन की समीक्षा के दौरान यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री के समत्व भवन में हुई बैठक में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उर्वरकों के अग्रिम भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को फसल चक्र के अनुसार समय रहते उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए उर्वरक वितरण के प्रमुख केन्द्रों पर अग्रिम भंडारण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए कार्य योजना विकसित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में फसलों की बुवाई लगभग 97 प्रतिशत है। वर्तमान वर्ष में यूरिया, एन.पी.के.,एस.एस.पी और एम.ओ.पी. उर्वरकों की उपलब्धता गत चार वर्षों में सर्वाधिक है। वर्तमान तक उपलब्ध 35 लाख 68 हजार मीट्रिक टन में से 32 लाख मीट्रिक टन से अधिक यूरिया का वितरण हो चुका है। इसी प्रकार 9 लाख 29 हजार मीट्रिक टन एन.पी.के., 10 लाख 58 हजार मीट्रिक टन एस.एस.पी, 91 हजार मीट्रिक टन एम.ओ.पी. वितरित हो चुका है। इसी प्रकार 10 लाख 82 मीट्रिक टन डीएपी और 20 लाख 11 हजार मीट्रिक टन डीएपी + एन.पी.के. वितरित किया जा चुका है। बैठक में विभिन्न जिलों में मासिक उर्वरक व्यवस्था पर चर्चा हुई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

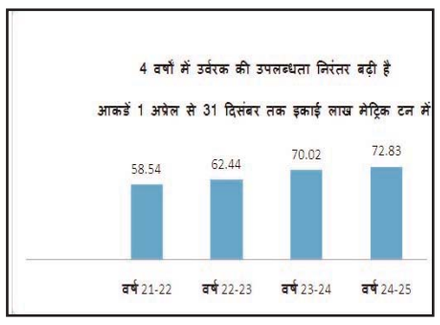

नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

भोपाल, (आरएनएस)। शनिवार को एक नवविवाहिता की मौत के बाद हंगामा हो गया। शव के पोस्टमार्टम के दौरान महिला के मायके और ससुराल वालों के बीच तनाव बढ़ गया। पुलिस ने आकर स्थिति संभाली।लालघाटी इलाके की जैन कॉलोनी में रहने वाली आरती दुबे (28) की शुक्रवार को संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। ससुराल वालों का कहना है कि उसने फांसी लगा ली। जबकि मायके वालों ने पति पर गला घोंटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। हमीदिया अस्पताल की मर्चुरी के बाहर ससुराल और मायके पक्ष के बीच महिला के अंतिम संस्कार को लेकर भी विवाद हुआ। हालांकि, बाद में बॉडी मायके वालों के सुपुर्द कर दी गई।इंग्लिश में एमए आरती छतरपुर के बड़ामलहरा की रहने वाली थीं। उनके भाई रामप्रकाश चतुर्वेदी ने बताया कि वे 6 बहनों में 5वें नंबर की थीं। इसी साल 22 अप्रैल को उनकी शादी भोपाल में की थी। लड़के वालों ने 20 लाख रुपए की डिमांड की थी। हमने 15 लाख रुपए कैश दिए थे। 5 लाख रुपए बाद में देना तय हुआ था।रामप्रकाश के मुताबिक, हम 5 लाख रुपए देने के लिए जमीन बेचने की तैयारी कर रहे थे। इधर, बहन के ससुराल वाले लगातार रकम देने का दबाव बनाते रहे। इसी बात को लेकर जीजा आरती को प्रताड़ित करता था। उसकी एक ननद भी उसे ताना दिया करती थी। आरती कई बार फोन पर इस बात का जिक्र कर चुकी थी। भाई रामप्रकाश ने बताया कि आखिरी बार गुरुवार रात आरती की छोटी बहन से फोन पर बात हुई थी।

कांग्रेसजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि देश के प्रति उनके अविस्मणीय योगदान का स्मरण किया

भोपाल, (आरएनएस)। दुनिया में सफल अर्थशास्त्री और देश के पूर्व वित्तमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न डॉ. मनमोहन सिंह ने बीते गुरूवार भौतिकवादी दुनिया से अलविदा कर देशवासियों में मन में अपनी अलख छोड़ गये हैं, डॉ. मनमोहनसिंह एक सफल अर्थशास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री और देश के किये उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए देश वासियों में मन में बसे थे, बसे हैं और सैदव बसे रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में आयोजित शोक सभा में कांग्रेसजनों ने डॉ. मनमोहन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा में कांग्रेस नेताओं ने देश के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। अंत में दो मिनिट का मौन रखकर उनकी आत्मशांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। डॉ. मनमोहन सिंह का राजकीय सम्मान के साथ विधिविधान से अंतिम संस्कार हुआ और वे आज पंचतत्व में विलीन हो गये, उनके इस दुनिया से चले जाने से देश की सभी बड़ी-छोटी हस्तियों सहित पूरे देश की राजनीतिक हस्तियों को आघात पहुंचा है। देश की जनता के प्रति उनका जो सकारात्मक, सशक्त, सुदृढ़ और मजबूती प्रदान करने वाला योगदान रहा है, वह चिरस्थायी रहेगा। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने शोकसभा को संबोधित करते हुये कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह इकोनॉमी के सबसे सफल डॉक्टर के रूप में विख्यात रहे हैं।

मिनी लोडिंग ट्रक ने मारी ई-रिक्शा को टक्कर, दो गंभीर रुप से घायल

भोपाल(ए)। निशातपुरा थाना इलाके में करोंद क्षेत्र में शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार टाटा-407 लोडिंग वाहन ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जोरदार थी की जहॉ ट्रक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया वहीं ई-रिक्शा बुरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसा उस समय हुआ जब ई-रिक्शा करोंद से मंडी वाली सड़क पर जा रहा था,उसी समय सामने से आ रहे मिनी ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। एक्सीडेंट में वृद्व सहित दो लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ट्रक को जप्त कर आगे की कार्यवाही में जुटी है।

उपार्जन धान की सुरक्षा के लिये किये जा रहे समुचित प्रयास-खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल(ए)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि उपार्जित धान की वर्षा से सुरक्षा के लिये समुचित प्रबंध किये जा रहे हैं। उन्होंने बताय है कि प्रदेश में अभी तक कुल 24 लाख 84 हजार 811 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है। यह विगत वर्ष में इस अवधि के उपार्जन की तुलना में लगभग 60 प्रतिशत अधिक है। इसके लिए प्रदेश में 1394 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। प्रदेश में कुल उपार्जन केन्द्रों में से 749 गोदाम स्तरीय केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें उपार्जित धान का भंडारण वहीं गोदाम में कर दिया जाता है। इसके लिए परिवहन की आवश्यकता नहीं होती है। शेष उपार्जन केन्द्र जो समिति स्तरीय बनाए गए थे, उनमें उपार्जित 3 लाख 97 हजार 515 मीट्रिक टन धान को सीधे मिलर्स को मिलिंग के लिये दी गई है। साथ ही 14 लाख 40 हजार 774 मीट्रिक टन धान का परिवहन एवं हैंडलिंग चालान बनाकर गोदामों में सुरक्षित भंडार किया गया है। शेष बची हुई धान को उपार्जन समितियों के माध्यम से तिरपाल, पॉलिथीन डालकर सुरक्षित करने के लिये पूर्व में ही निर्देशित कर दिया गया था। उपार्जित धान के सुरक्षित भंडारण के लिये प्रतिदिन धन उपार्जन वाले जिले के अधिकारियों के साथ प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी की अध्यक्षता में वीसी के माध्यम से मॉनिटरिंग कर धान को सुरक्षित रखने के प्रयास किए गए हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भी धान उपार्जन की समीक्षा की जाकर समस्त संभागीय आयुक्त, समस्त कलेक्टर्स और अधिकारियों को बेमौसम बरसात की संभावना के चलते धान को सुरक्षित रखने के लिये सभी आवश्यक प्रबंध किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

भवन निर्माण सामग्री फैलाने वालों व ग्रीन नेट न लगाने के 06 प्रकरणों में 08 हजार 500 रुपये का स्पॉट फाईन

भोपाल (आरएनएस)। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री सड़कों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाकर वायु गुणवत्ता एवं शहर की स्वच्छता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत सख्त कार्यवाही करने के दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री, सड़कों सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवन पर ग्रीन नेट न लगाने वालों सहित साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की और सी.एण्ड.डी वेस्ट फैलाने वालों के विरूद्ध 06 प्रकरणों में 08 हजार 500 रूपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम अमले ने कुल 113 प्रकरणों में 30 हजार 750 रुपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वरिष्ठ राजनीतिज्ञ स्व.कुशाभाऊ ठाकरे की पुण्यतिथि पर कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सभागार स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया ।

अब तक खरीदी गई 21 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान

भोपाल (ए)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 3 लाख 22 हजार 89 किसानों से 21 लाख 22 हजार 901 मीट्रिक टन धान की खरीदी उपार्जन केन्द्रों में हो चुकी है। धान की खरीदी के लिये 1393 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। धान का उपार्जन 20 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रूपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रूपये है। धान की खरीदी जिला पन्ना में 58,454, दमोह 39,670, सागर 7459, शहडोल 1 लाख 1 हजार 43, अनूपपुर 46,208, उमरिया 62,732, रीवा 2 लाख 17 हजार 77, सतना 2 लाख 35 हजार 687, सिंगरौली 80,259, सीधी 60,754, मऊगंज 54,919, मैहर 79,120, सीहोर 13,100, रायसेन 17,536, विदिशा 676, नर्मदापुरम 78,046, बैतूल 20,725, हरदा 349, कटनी 2 लाख 21 हजार 154, बालाघाट 2 लाख 75 हजार 776, मंडला 1 लाख, 9 हजार 759, नरसिंहपुर 45,363, सिवनी 1 लाख 13 हजार 95, जबलपुर एक लाख 60 हजार 922, डिंडोरी 17,699, छिंदवाड़ा 4719, भिण्ड 398, शिवपुरी 138, अलीराजपुर 47 और झाबुआ जिले में 17 मीट्रिक टन की जा चुकी है।

समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 20 जनवरी तक

नये साल के वेलकम को लेकर शहरवासियों और पुलिस ने की तैयारी

हुड़दंग और ड्रिंक एंड ड्राइव करना पड़ेगा भारी, सारी रात सड़को पर मुस्तेद रहेंगी पुलिस टीमे
भीड़-भाड़ वाले इलाको, होटलो, बारो, क्लब, रिसोर्ट, घाटो, पब, रैस्टोरेंट, ढाबों, फार्म हाउसो पर रहेगी नजर

भोपाल(संदीप पंडा)। नये साल के आगमन में दो दिनो की दूरी बची है, आने वाले साल के वेलकम के लिये जहॉ शहरवासियो का उत्साह बढ़ता जा रहा है, वहीं इसे मनाने के लिये जोर-शोर से तैयारियां भी जारी है। 31 दिसंबर को होटल, पब, रेस्टोरेंट, ढाबों पर नए साल का जश्न मनाया जाएगा। नए साल के अवसर पर शांति और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस पुलिस विभाग ने भी अपनी तैयारिया पूरी कर ली है। अधिकारियो के अनुसार नए साल के मौके पर जोश में हुड़दंग करने वालो पर पुलिस की नजर रहेगी और इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। कई लोग न्यू ईयर पर सेलिब्रेट करने सड़कों पर निकलते है, जिसे देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था पुख्ता की गई है। इस दौरान ड्रिंक एन ड्राइव और तेज स्पीड से वाहन चलाने वालो पर खास नजर रखी जाएगी। सभी थानों का पुलिस बल सड़कों पर तैनात रहकर व्यवस्था संभालेगा, जरूरत पडने पर चौकियां पर चैकिंग की जाएगी। अफसरो का कहना है कि पुलिस का उद्देश्य है, कि लोगों को सेलिब्रेशन में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही 31 दिसंबर की रात होटलों,बार,क्लब, पब, रैस्टोरेंट, समेत अन्य

मनोरंजनगृहों के बाहर पुलिस टीम मुस्तैद रहेंगी। साथ ही भीड़-भाड़ वाले इलाको, बाजारों, घाटों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये है। नये साल के एक दिन पहले से ही पुलिस आम स्थानो पर नशा करने वालों ओर नशे मे वाहन चलाने वालो की जांच करेगी और दोषियो के खिलाफ तुरंत कार्यवाही की जाएगी। वहीं नये साल की रात को जो वाहन भी चालक शराब पीकर वाहन चलाते या स्टंट करते मिलेंगे उनके खिलाफ केस दर्ज किया जायेगा। वहीं देहात इलाको और हाईवे पर बने रिसोर्ट, ढाबो, फार्म हाउस पर भी पुलिस नजर रखेगी। इसके साथ ही किसी भी आपातकालीन परिस्थितियों के लिए भी विशेष पुलिस बलों को तैनात करने की तैयारी की गई है। इन टीमों में काउन्टर असाल्ट,पुलिस राइडर्स,पुलिस पीसीआर,इंटेलीजेंस टीमें,क्रेन,फायर ब्रिगेड व एम्बुलेंस टीमों को भी सभी सुरक्षा उपकरणों के साथ तैनात किया जाएगा। वहीं नए साल के जश्न में शराब की पार्टी करने के लिए लाइसेंस और लाउड स्पीकर के नियमों का पालन करना पड़ेगा, जिसके तहत रात 12 बजे तक ही बार खोले जा सकेंगे। हालांकि लायसेंस वाले स्थानो पर आबकारी विभाग दो घंटे अतिरिक्त शराब पिलाने के लिए परमिशन दे सकेगा लेकिन इसकी परमिशन के लिये आवेदन करना पड़ेगा। भोपाल में साउंड लीमिट तय की गई है, जिसके लिये कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए आदेश जारी किए हैं। नये साल के उपलक्ष्य में होटल, लॉज, मैरिज गार्डन में सामूहिक रूप से कार्यक्रम, पार्टी आयोजित करने से पहले पुलिस से अनुमति लेनी होगी। इन स्थानो पर सीसीटीवी कैमरा होना और कार्यक्रम की सारी जानकारी संबधित थानो को देनी अनिवार्य है।

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना किसानों ने कहा - फसलें लहलहाएंगी, पलायन रुकेगा

भोपाल (निप्र)। देश की पहली अति महत्वाकांक्षी और बहुउद्देशीय केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र में फसलें लहलहाएंगी और पलायन रुकेगा। वहां के बहुत से गांवों के निवासियों को, जो पानी की कमी के चलते काम की तलाश में समीपवर्ती राज्यों में पलायन कर जाते थे, अब उन्हें अपना घर - गांव छोड़कर बाहर नहीं जाना पड़ेगा। खेतों में पर्याप्त पानी होगा तो वे वर्ष भर फसल ले सकेंगे। यह किसानों के लिए किसी सपने के पूरे हो जाने से कम नहीं होगा और इसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दिल से धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हैं।सटई गांव के किसान मुन्ना असाटी बताते हैं उनका क्षेत्र कम वर्षा के कारण सूखाग्रस्त है और इस कारण वहां के किसान मुश्किल से एक फसल ले पाते हैं। समीप के गांव कुंदरपुरा, जो जनजातीय बहुल ग्राम है, के तो 90त्न निवासी काम की तलाश में दिल्ली, हरियाणा और पंजाब चले जाते हैं। गांव में पानी आ जाने से न केवल वे खेती कर पाएंगे बल्कि अपने घर में रह पाएंगे, मां-बाप की देखभाल कर पाएंगे, बच्चों को पढ़ा पाएंगे।ग्राम सिमरा पनिहार के कृषक बल्दू केवट, रामनारायण दुबे और हकीमपुरा के रामेश्वर अहिरवार बताते हैं कि अभी वे वर्ष भर में पानी की कमी के चलते केवल एक फसल ले पाते हैं। परियोजना से खेतों में पानी आएगा तो वे वर्ष में तीन फसल ले पाएंगे। पर्याप्त आमदनी होने से परिवार का लालन-पालन भी ढंग से हो पाएगा। ग्राम टिकरी के किसान बृज गोपाल अवस्थी, ग्राम जटकारा के प्रकाश पंडित, ग्राम बृजपुरा के आसाराम साहू और भवानी दीन मिश्रा बताते हैं कि कम बारिश के कारण क्षेत्र में भू-जल स्तर भी बहुत नीचे चला गया है।

कुआं खुदवाओ तो पानी बहुत नीचे मिलता है। बरसात के थोड़े दिनों के बाद यहां के सारे स्टॉप डैम भी सूख जाते हैं, जिससे सिंचाई के लिए कोई साधन उपलब्ध नहीं रहता। ऐसे में खेती करना बहुत मुश्किल हो जाता है। जैसे-तैसे खेती तो करते हैं, परंतु उत्पादन बहुत कम होता है। केन-बेतवा परियोजना से भूमि जल का स्तर बढ़ेगा और विभिन्न जल स्त्रोतों से भी सिंचाई के लिए पानी मिल पाएगा। पशुओं के लिए हरा-भरा चारा और पानी मिलने से पशुपालन भी बढ़ेगा।खजुराहो के कृषक बाबूलाल पटेल और बिहारी लाल पटेल बताते हैं कि खजुराहो में अनेक पर्यटन स्थल है, परंतु पानी की कमी के कारण पर्यटन पर भी असर पड़ता है। केन-बेतवा परियोजना आ जाने से पर्यटन के क्षेत्र में भी वृद्धि होगी। रोजगार और व्यवसाय भी बढ़ेगा। पानी की उपलब्धता से आस-पास के क्षेत्र में उद्योग भी लगेंगे।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के शेष कार्यों को 10 दिवस में करें पूर्ण- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में कार्य योजना अनुसार फ्रंट एरिया डेवलपमेंट का कार्य करायें। पूर्व से निर्मित गौ शेड, भूसा शेड सहित अन्य सभी भवनों का रंग रोगन व मेंटीनेंस कराते हुए शेष निर्माणाधीन कार्यों को आगामी 10 दिवस में अनिवार्यत: पूर्ण करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में गौवंश वन्य विहार के विकास कार्यों की समीक्षा की।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की प्रदेश में अपनी पहचान है। प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ के दौरान देश के महान मनीषी स्वामी अवधेशानंद गिरिजी, स्वामी रामदेव तथा पूज्य मोरारी बापू भी हेलीकाप्टर से बसामन मामा गौवंश वन्य विहार आयेंगे तथा संपूर्ण वन्य विहार का भ्रमण करेंगे। उन्होंने नियत समय में सभी कार्य पूर्ण करने कके निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार में गोबर व गोमूत्र से निर्मित सामग्री को विक्रय किये जाने के लिये संबंधित संस्थानों से अनुबंध किये जाने के निर्देश दिये।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार का आर्थिक संसाधन हासिल कर आत्मनिर्भर बनाने के लिये उनकी उत्पाद सामग्री का क्रय कराया जाना सुनिश्चित करायें। उन्होंने गौवंश वन्य विहार के लिये आवंटित चरनोई भूमि में चारा उत्पादन करने व विक्रय करने का दायित्व एफपीओ के माध्यम से कराने की बात कही ताकि इससे भी आमदनी हो सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार में सोलर पैनल लगाकर ऊर्जीकृत करने तथा मृत पशुओं के लिये निष्पादन इकाई लगाये जाने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने हिनौती गौधाम में चल रहे निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की।

रीवा जिला चिकित्सालय में अत्याधुनिक मशीनों से होगा नेत्र रोग का उपचार

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जिला चिकित्सालय रीवा में सर्व-सुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर में अब अत्याधुनिक मशीनों से नेत्र रोगियों का उपचार होगा तथा जटिल नेत्र सर्जरी भी की जायेगी।

इस सुविधा के हो जाने से अब नेत्र रोगियों को अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय का भ्रमण किया तथा ऑपरेशन थियेटर की सुविधाओं का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय में नेत्र विभाग के ऑपरेशन थियेटर को 76 लाख रूपये की लागत से सर्व-सुविधायुक्त बनाकर अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन ओपीडी तथा चिकित्सालय विस्तार भवन का निरीक्षण कर कार्य को शीघ्र पूर्ण करने को निर्देश निर्माण एजेंसी को दिये।

अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. एमएल गुप्ता उपस्थित थे।

कलेक्टर द्वारा सजेली मालजी सात का निरीक्षण किया गया, मिर्ची उत्पादन की नवीन वैज्ञानिक पद्धति टनल कल्टीवेशन का कलेक्टर द्वारा अवलोकन करते हुये कृषको को प्रोत्साहित किया

सचिव के उपस्थित ना होने एवं कार्य में लापरवाही बरतने के कारण नोटिस दिए जाने हेतु निर्देश दिए

झाबुआ (ए)। झाबुआ जिले के ग्रामीण जनों की आजीविका का मुख्य स्रोत खेती किसानी है कृषि के मुख्य कार्यों के साथ-साथ किसानों को अतिरिक्त आय सृजन के स्रोतो से जोडना समय की महती आवश्यकता है। आय सृजन के अतिरिक्त संसाधन जुटाने मे रुचि रखने वाले किसान परिवारो के लिए ऑइस्टर मशरूम उत्पादन एक अच्छा विकल्प हो सकता है। कलेक्टर नेहा मीना ने मेघनगर विकासखण्ड के ग्राम सजेली मालजी सात में अपने भ्रमण के दौरान ग्रामीण जनो से चर्चा करते हुये उक्ताशय के विचार व्यक्त किये। ग्राम सजेली मालजी सात मे प्रारम्भिक तौर पर 10 से अधिक किसानो ने ऑइस्टर मशरूम उत्पादन की शुरूआत किये जाने के उपरान्त कलेक्टर नेहा मीना ने स्वयं प्रत्यक्षत: अवलोकन करते हुये ग्रामीण जनो से चर्चा करते हुये समुचित निर्देश दिये। ग्राम के कृषक पुष्पा, दिनेश धन्ना, दलसिंह लालजी, अमरसिंह लालजी के यहा मशरूम उत्पादन गतिविधि का सुक्ष्मता से अवलोकन करते हुए समुचित सावधानी बरतने की अपेक्षा व्यक्त की गई। जिले में कृषिगत संवर्ग के विभिन्न विभागो की समीक्षा बैठको मे विगत समय से ऑइस्टर मशरूम उत्पादन के निर्देश दिये जाते रहे है। कृषक मूलचंद परमार द्वारा लगाई गई ऐजोला उत्पादन इकाई का अवलोकन करते हुये कलेक्टर नेहा मीना ने अन्य ग्रामीणो से अपनाने का आग्रह किया। अपने भ्रमण के दौरान कलेक्टर नेहा मीना ने ग्राम में अमरसिंह परमार के यहाँ अरहर की झाबुआ देशज किस्म के प्रक्षेत्र का अवलोकन किया।

मिर्ची उत्पादन की नवीन वैज्ञानिक पद्धति टनल कल्टीवेशन अपनाते हुये कृषक दलसिंह लालजी द्वारा किये गये नवाचार का कलेक्टर द्वारा अवलोकन करते हुये कृषको को प्रोत्साहित किया। कृषक दिनेश परमार द्वारा स्थापित सीड बैंक मे अनाजो, दलहन की झाबुआ की विभिन्न देशज परम्परागत किस्मो का सूक्ष्मता से अवलोकन करते हुये कलेक्टर नेहा मीना द्वारा इनके संरक्षण ओर संवर्धन पर जोर दिया।

उप संचालक कृषि एन.एस. रावत द्वारा विगत दिनो इंदौर में आयोजित जैविक हाट मे सजेली मालजी सात के किसानों की सक्रिय भागीदारी के सम्बंध मे कलेक्टर को विस्तार से अवगत कराया। क्षेत्र के किसानों की जिले से बाहर जैविक उत्पाद विपणन कार्यक्रम मे बडे स्तर पर सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये इसे उत्तरोत्तर गतिमान बनाय रखने के लिए कृषको का उत्साह वर्धन किया।

पतंगें बिजली लाइनों से दूर उड़ाने की अपील

इन्दौर (ए.)। बिजली कंपनी ने मकर संक्रांति पर पतंगें बिजली की लाइनों, ट्रांसफार्मरों, पोल से दूर उड़ाने की अपील की है। इससे लाइनों एवं आमजन को नुकसान हो सकता है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि लाइनों पर पतंगें एवं धागों के कारण फाल्ट होने से न केवल विद्युत प्रवाह अवरूद्ध हो जाता है, बल्कि हादसा होने का भी अंदेशा होता है।

प्रबंध निदेशक ने बताया कि धागे एवं पतंगों में प्रयुक्त होने वाली बांस की कीमची दोनों ही वस्तुएं लाइनों के लिए खतरा होती है, इसलिए पतंगबाजी लाइनों, पोल, ट्रांसफार्मर से दूर की जाए, ताकि खुशी के त्योहार को उमंग के साथ मनाया जा सके। कंपनी ने बिजली के पोल या तारों में उलझी पतंग को नहीं निकालने का आह्वान किया है। बिजली कंपनी ने इसी तरह गिल्ली डंडे का खेल भी लाइनों , डीपी से दूर खेलने का अनुरोध किया है, ताकि हादसे से बचा जा सके और विद्युत प्रवाह अवरोध की स्थिति न बने।

इंदौर में बारिश होने से 29 दिसंबर के बाद से पड़ेगी कड़ाके की ठंड

इंदौर(ए.)। इंदौर शहर में शुक्रवार रात हुई बारिश के बाद आज फिर सुबह 9 बजे के करीब जमकर बारिश हुई। बारिश का दौर शुक्रवार रात से शुरू हुआ था। मौसम विभाग ने आज भी शहर में बारिश की संभावना जताई थी।कल शुक्रवार सुबह बादल छंटने के कारण निकली धूप ने जहां शहरवासियों को ठंडक में गर्मी का अहसास करवाया, वहीं रात नौ बजे बाद शहर में एकाएक मौसम का मिजाज बदला और शहर के अलग-अलग हिस्सों में बारिश शुरू हो गई। आईटी पार्क चौराहा, लिंबोदी, राजेंद्र नगर, एयरपोर्ट व विजयनगर सहित कई इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। इसके अलावा कई इलाकों में तेज हवाएं भी चली। इंदौर में पिछले तीन दिनों से हवा के बदले रुख व वातावरण में आर्द्रता बढ़ने के कारण ठंड गायब सी हो गई है। अलसुबह व रात के समय ही घर से बाहर निकलने वालों को ठंड का अहसास हो रहा है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, एक पश्चिम विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान पर बना हुआ है। वहीं दक्षिणी पश्चिम राजस्थान के आसपास एक प्रेरित हवा का चक्रवात बना हुआ है। एक द्रोणिका उत्तरी पाकिस्तान से प्रेरित हवा के चक्रवात से होते हुए पूर्व मध्य अरब सागर तक जा रही है। इसके अलावा उत्तर भारत में जेट स्ट्रीम हवा भी चल रही है। 29 दिसंबर के बाद शहर में दो से चार डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी। इस सीजन में गुरुवार को लगातार दूसरी रात सबसे गर्म रही। शहरवासियों को रात में ठंडक से राहत मिली और तापमान सामान्य से अधिक रहा। शुक्रवार को शहर में न्यूनतम तापमान सामान्य से सात डिग्री अधिक 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कलेक्टर द्वारा झाबुआ की उड़ान की समीक्षा की गयी

झाबुआ (ए.)। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा झाबुआ की उडान के तहत नीट एवं पुलिस भर्ती की क्लासेस की समीक्षा एवं भविष्य की कार्ययोजना के सम्बन्ध में बैठक ली गयी । कलेक्टर नेहा मीना द्वारा नीट क्लासेस में

नियमितता, छात्र - छात्राओ द्वारा प्राप्त फीडबैक, क्लास के पश्चात लिये जाने टेस्ट से प्राप्त असेसमेण्ट रिपोर्ट की समीक्षा की गयी। साथ ही पुलिस भर्ती की कक्षाओ में छात्राओ को नियमित कक्षा में उपस्थित रहने एवं बीच मे ड्रॉपआउट ना करने की समझाइश देने एवं प्रोत्साहित करने हेतु निर्देशित किया। भविष्य की कार्ययोजना अन्तर्गत कलेक्टर द्वारा 9 वीं से 12 वीं तक के छात्र -छात्राओं हेतु करियर काउंसलिंग दिये जाने की कार्ययोजना बनाये जाने हेतु कहा। उन्होंने कहा कि 9 वीं और 10 वीं के विद्यार्थीयों को भविष्य में किसी स्ट्रीम को चुनकर उपलब्ध होने वाले अवसरो सम्बन्धी काउंसलिंग दी जाए, 11 वीं और 12 वीं के विद्यार्थीयो को अलग-अलग स्ट्रीम के तहत स्नातक के ऑप्शन एवं रोजगोरन्मुसी विकल्पों के बारे में बताया जाए। साथ ही यह काउंसलिंग 9 वीं- 10 वीं एवं 11 वीं-12 वीं के लिए अलग - अलग दी जाए। इन करियर काउंसलिंग के लिए अच्छे काउंसलर की सहायता ली जाए जो उच्च श्रेणी की काउंसलिंग दे सके।

कलेक्टर ने तहसील कार्यालय गुना का किया औचक निरीक्षण

गुना (ए.)। कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा आज तहसील कार्यालय गुना पहुंचकर राजस्व विभाग अंतर्गत किए जा रहे कार्यो की समीक्षा बैठक ली गई। इस दौरान किए गए कार्यों में संतोषजनक प्रगति न होने एवं रैंकिंग कम होने पर नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी पटवारी को टारगेट दिए जाएं और प्रत्येक हल्का की प्रगति रिपोर्ट बनाकर प्रतिदिन प्रस्तुत की जाए। दिए गए टारगेट के अनुकूल काम न होने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।समीक्षा के दौरान अनुविभागीय अधिकारी गुना श्रीमती शिवानी पांडे, तहसीलदार गुना श्री जी.एस. बैरवा, तहसीलदार गुना ग्रामीण कमल मंडेलिया सहित समस्त राजस्व अमला उपस्थित रहा। समीक्षा के बाद कलेक्टर द्वारा मारुति शोरूम से लेकर चिंताहरण तक के मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर ही पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री को सख्त निर्देश दिए कि कल तक डिवाइडर के बीच में बने हुए गैप का पूरा किया जाए।

सेना अधिकारियों के लिये आयोजित उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रशिक्षणार्थियों को वितरित किये गये प्रमाण पत्र

इन्दौर (ए.)। सेना अधिकारियों के लिये आयोजित किये गये उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का गत शुक्रवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) इंदौर में किया गया। 7 अक्टूबर से प्रारंभ इस कार्यक्रम में थल सेना, जल सेना एवं वायु सेना के अधिकारियों को सेवानिवृत्ति के पश्चात व्यवसाय स्थापित करने के संबंध में उद्यमिता विकास से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (NIESBUD) द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम में जिला अग्रणी बैंक के प्रबंधक सुनील ढाका द्वारा बैंकिंग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री मंडलोई द्वारा शासकीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। सफल उद्यमी के रूप में प्रतीत टंकिया हिंदुस्तान इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के संचालक द्वारा प्रशिक्षार्थियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय राणापुर में 33 लर्निंग लाइसेंस बना कर प्रदान किये गये

झाबुआ (ए.)। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय राणापुर में लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को लर्निंग लाइसेंस प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही 33 छात्र छात्राओं को लर्निंग लाइसेंस बना कर प्रदान किये गये। इसके अतिरिक्त आरटीओ ऑफिस में भी कैम्प लगाया गया जहां भी आवेदकों ने आकर लर्निंग लाइसेंस बनवाये।

व्यापार समाचार

भारत का चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी का 1.2 से 1.5 प्रतिशत तक रहेगा

नई दिल्ली, (ए)। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) सकल घरेलू उत्पाद के 1.2-1.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की रिपोर्ट के अनुसार, सेवा निर्यात में तेजी और मजबूत रेमिटेंस (श्रमिक या प्रवासी हस्तांतरण) के सपोर्ट से उच्च व्यापार घाटे के बावजूद, देश का सीएडी वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद के 1.2 प्रतिशत पर सिमट गया।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) के प्रवाह के कारण पूंजी खाता अधिशेष में वृद्धि हुई, जबकि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश फ्लो (एफडीआई) अधिक दर्ज किया गया। जिसकी वजह से भुगतान संतुलन (बीओपी) अधिशेष वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के 2.5 बिलियन डॉलर की तुलना में 18.6 बिलियन डॉलर अधिक दर्ज किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्री अदिति गुप्ता ने कहा, पिछले कुछ महीनों में भारत के एक्सटर्नल सेक्टर आउटलुक में कोई खास बदलाव नहीं आया है। नवंबर 2024 में व्यापार घाटे में तेज उछाल ने कुछ चिंताएं पैदा की हैं, लेकिन यह एक बार की बात हो सकती है, क्योंकि घाटा लगभग पूरी तरह से सोने के आयात में उछाल के कारण हुआ है।

कुल मिलाकर, भारत के भुगतान संतुलन को एफपीआई, ईसीबी और एनआरआई डिपोजिट्स से मजबूत प्रवाह का समर्थन मिला। इसके अलावा, व्यापारिक आयात में वृद्धि माल निर्यात में वृद्धि से आगे निकल रही है, जिसके कारण वित्त वर्ष 2014-15 के आधार पर व्यापार घाटा बढ़ गया है।

गुप्ता ने कहा, सकारात्मक पक्ष यह है कि सेवा निर्यात लचीला रहा है।

उन्होंने कहा, तेल की कम कीमतों के बावजूद रेमिटेंस भी लचीला रहा है। आने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लागू की जा रही संरक्षणवादी व्यापार नीति के बढ़ते खतरे एक्सटर्नल सेक्टर आउटलुक के लिए एक प्रमुख खतरा होंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि, हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 1.2-1.5 प्रतिशत के प्रबंधकीय दायरे में रहेगा।

लावा ने भारत में नया स्मार्टफोन लॉन्च किया

कीमत 10000 रुपये से कम

नई दिल्ली (ए.)। लावा ने भारत में युवा सीरीज का नया स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। लावा युवा 2 5जी में 50एमपी डुअल रियर कैमरा सेटअप है। इसमें यनिसोक टी 760 चिपसेट, 5000 एमएएच बैटरी और 6.67 इंच एचडी स्क्रीन है। लावा युवा 2 5जी स्मार्टफोन के 4 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वेरियंट की कीमत 9,499 रुपये है। फोन रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। मार्बल ब्लैक और मार्बल व्हाइट कलर वेरिएंट्स उपलब्ध हैं। इसमें एक साल की वारंटी और डोरसटेप सर्विस फ्री ऑफर भी है। लावा युवा 2 5जी में 4 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज है। फोन ऐंड्रॉयड 14 ओएस के साथ आता है। 50 एमपी एआई प्राइमरी रियर कैमरा और 8 मेगापिक्सल फ्रंट सेंसर दिए गए हैं। फिंगरप्रिंट सेंसर भी है। लावा युवा 2 5जी फोन ऑनलाइन और रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। इसकी बिक्री शुरुआत के दौरान फोन की डिमांड में इजाफा हो सकता है। यह फोन युवा जनेशन को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है और यह उनकी कमजोरियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट जारी, 8.48 अरब डॉलर आई कमी

नईदिल्ली, (ए.)। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कई महीनों से गिरावट जारी है. भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर से घट गया है. शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक ने इसके बारे में जानकारी दी. जिसमें कहा गया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 दिसंबर को खत्म हुए हफ्ते में 8.48 अरब डॉलर कम हो गया. इसके बाद ये घटकर 644.39 अरब डॉलर पर आ गया है. यही नहीं इससे पिछले हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार में 1.99 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई थी और ये तब घटकर छह महीने के निचले स्तर 652.87 अरब डॉलर पर आ गया था.

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों लगातार घटता जा रहा है. इस गिरावट की वजह रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ वैल्यूएशन को भी माना जा रहा है.

हालांकि तीन महीने पहले यानी सितंबर के आखिर में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार ऑलटाइम हाई पर था. तब ये बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था. हालांकि शुक्रवार को जारी आंकड़ों में कहा गया कि 20 दिसंबर को खत्म हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा यानी फॉरेन करेंसी ऐसेट्स 6.01 अरब डॉलर घटकर 556.56 अरब डॉलर पर आ गया. वहीं डॉलर के संदर्भ में बताए गए फॉरेन करेंसी ऐसेट्स में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी विदेशी करेंसी में भी इसका असर देखने को मिल रहा है.

यही नहीं समीक्षाधीन हफ्ते में गोल्ड रिजर्व के मूल्य में भी 2.33 अरब डॉलर की कटौती हुई है और ये गिरकर 65.73 अरब डॉलर पर आ गया है. इसके अलावा विशेष आहरण अधिकार 11.2 करोड़ डॉलर घटकर 17.88 अरब डॉलर हो गया. रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, इस समीक्षाधीन अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष- इंटरनेशनल मॉनेट्री फंड के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.22 अरब डॉलर पर आ गया है.

केंद्र ने डीबीटी से 1,206 योजनाओं के लिए 2.23 लाख करोड़ रुपये किए ट्रांसफर

नई दिल्ली (ए.)। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग (डीओई) ने वित्त वर्ष 2024-25 में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के तहत कवर की गई 1,206 योजनाओं के लिए फंड का रियल टाइम में ट्रांसपेरेंट वितरण किया है। इससे रिकॉर्ड 2.23 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए हैं।समीक्षा में कहा गया है, इस पहल ने 117 बाहरी सिस्टम के साथ इंटीग्रेशन और प्रमुख बैंकों के साथ इंटरफेस द्वारा डिजिटल इंडिया मिशन को सपोर्ट किया है, जिससे दक्षता और जवाबदेही बढ़ी है।यह सिस्टम फंड के रिलीज से लेकर लाभार्थियों के अकाउंट तक राशि पहुंचने की पूरी ट्रैकिंग करता है, जिसके परिणामस्वरूप लीकेज को रोका जाता है। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप, डीओई ने अतिरिक्त उधार क्षमता, प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहन, आपदा के लिए अनुदान, स्वास्थ्य सेवा और क्षेत्रीय विकास के लिए अनुदान की सुविधा देकर राज्य के वित्त को भी मजबूत किया है।वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, शुद्ध उधार सीमा 9.40 लाख करोड़ रुपये निर्धारित की गई थी, जिसमें सकल राज्य घरेलू उत्पाद का अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत बिजली क्षेत्र के सुधारों के लिए आवंटित किया गया था।रिपोर्ट में कहा गया है कि इन उपायों का उद्देश्य परिचालन दक्षता को बढ़ावा देना और राज्यों में आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देना है।पब्लिक प्रोक्योरमेंट रिफॉर्म्स (सार्वजनिक खरीद में सुधार) एक प्रमुख फोकस बना हुआ है, जिसमें सामान्य वित्तीय नियमों के तहत वित्तीय सीमा में वृद्धि और 2024 में संशोधित खरीद मैनुअल जारी किया गया है।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 28 गुना बढ़े बैंक धोखाधड़ी के मामले : आरबीआई

नई दिल्ली, (ए.)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार इस वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में बैंक धोखाधड़ी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। इस अवधि में बैंक धोखाधड़ी की कुल 18,461 घटनाएं हुईं, जिनकी राशि 21,367 करोड़ रुपये थी।रिपोर्ट के अनुसार, यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में मामलों की संख्या (वित्त वर्ष 24 के अप्रैल-सितंबर में 14,480) में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि और कुल राशि (2,623 करोड़ रुपये) में आठ गुना से अधिक की वृद्धि है।केंद्रीय बैंक ने अपनी ट्रेंड एंड प्रोग्रेस ऑफ बैंकिंग इन इंडिया रिपोर्ट में जानकारी दी है कि वित्त वर्ष 2023-24 में, इंटरनेट और कार्ड फ्रॉड कुल धोखाधड़ी राशि का 44.7 प्रतिशत और कुल मामलों का 85.3 प्रतिशत हिस्सा रहा।रिपोर्ट में आगे कहा गया कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने सभी धोखाधड़ी के मामलों में से 67.1 प्रतिशत की रिपोर्ट की, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सबसे

अधिक वित्तीय प्रभाव का सामना करना पड़ा।रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023-24 में कार्ड और इंटरनेट धोखाधड़ी का हिस्सा सबसे अधिक था।जब प्रवर्तन कार्रवाइयों की बात आती है, तो बैंकों पर लगाए गए कुल जुर्माने 2023-24 में 86.1 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।एफबी और छोटे वित्तीय बैंकों (एसएफबी) को छोड़कर सभी बैंक समूहों में 2023-24 के दौरान विनियमित संस्थाओं (आरई) पर लगाए गए जुर्माने के मामलों में वृद्धि हुई। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया कि 2023-24 में कुल जुर्माना राशि दोगुनी से अधिक हो गई, जिसमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंक सबसे आगे रहे। सहकारी बैंकों पर लगाए गए जुर्माने की राशि में वर्ष के दौरान कमी आई, जबकि जुर्माना लगाने के मामलों में वृद्धि हुई।

धोखाधड़ी फाइनेंशियल सिस्टम के लिए प्रतिष्ठा से जुड़े जोखिम, परिचालन जोखिम, व्यावसायिक जोखिम और वित्तीय स्थिरता के साथ ग्राहक विश्वास को लेकर कई चुनौतियां पेश करती हैं।आरबीआई ने कहा, आगे बढ़ते हुए, बैंकों को अपने जोखिम प्रबंधन मानकों, आईटी गवर्नेंस व्यवस्थाओं और ग्राहकों को जोड़ने तथा लेनदेन निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने की निरंतर आवश्यकता है, ताकि संदिग्ध और असामान्य लेनदेन सहित बेईमान गतिविधियों पर लगाम लगाई जा सके।

इस वित्त वर्ष में 88 खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक की गई नीलामी: केंद्र

नई दिल्ली, (ए.)। केंद्र सरकार ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान 10 दिसंबर तक 88 खनिज ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। इस अवधि में केंद्र सरकार द्वारा चार चरणों में 24 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी पूरी की गई। राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (एनएमईटी) ने 609.54 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत के साथ 120 खनिज अन्वेषण और खरीद परियोजनाओं को मंजूरी दी है।खान मंत्रालय ने बताया कि एमएमडीआर अधिनियम, 1957 की दूसरी अनुसूची में संशोधन 12 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की रॉयल्टी दर को सही बनाने के लिए किया गया था। पिछले सप्ताह, मंत्रालय ने भारत के अपतटीय क्षेत्रों में 13 खनिज ब्लॉकों को प्रदर्शित करने के लिए एक वेबिनार आयोजित किया, जिन्हें देश के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन) के भीतर विशाल समुद्री खनिज संपदा का दोहन करने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल के तहत ई-नीलामी के लिए रखा जा रहा है।नीलाम किए जा रहे 13 अपतटीय खनिज ब्लॉकों में केरल तट से 3 कंस्ट्रक्शन सैंड ब्लॉक और गुजरात तट से 3 लाइम मड ब्लॉक शामिल हैं। ग्रेट निकोबार द्वीप समूह से 7 अन्य पॉलीमेटेलिक और नोड्यूल्स और क्रस्ट ब्लॉक भी प्रस्तावित पहली किश्त का हिस्सा हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ट्रंप से भारतीय उद्योग जगत को विशाल अवसर

जीटीआरआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा है- डॉनल्ड ट्रंप के फिर राष्ट्रपति बनने से व्यापार की उभर रही सूरत भारतीय उद्योग जगत के लिए एक विशाल अवसर है, क्योंकि वे मेक्सिको, कनाडा, चीन और अन्य देशों पर नए शुल्क लगाने जा रहे हैं।'

कहानी पुरानी है। दुनिया में जब कोई बड़ा बदलाव आता है, तो भारत के राजनेता, थिंक टैंक, विशेषज्ञ और मीडिया धारणा बनाते हैं कि उससे भारत के लिए बड़ा अवसर पेश आएगा। मगर लगभग हर बार मौका निकल जाता है! तब किसी ऐसे नए अवसर' से उम्मीद जोड़ी जाती है! डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध छेड़ा, तब कहा गया था कि उससे भारत के लिए बड़ा मौका पेश आएगा। निम्न-स्तरीय उत्पादन शृंखला में चीन का जो स्थान है, वह धीरे-धीरे खिसक कर भारत आ जाएगा। लेकिन अब विशेषज्ञ और थिंक टैंक ही नहीं, बल्कि भारत सरकार की संस्थाएं भी मानती हैं कि वो अवसर भारत ने गंवा दिया।

अब नए हैंडबैग के साथ संसद पहुंची प्रियंका गांधी

अब ट्रंप फिर राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, तो पुरानी बातें भूल कर फिर माहौल बनाया जा रहा है कि उनके दूसरे कार्यकाल की नीतियां भारत के लिए बहुत बड़ा अवसर साबित होंगी। नई दिल्ली स्थित आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक ताजा रिपोर्ट में कहा है- डॉनल्ड ट्रंप के फिर राष्ट्रपति बनने से व्यापार की उभर रही सूरत भारतीय उद्योग जगत के लिए एक विशाल अवसर है, क्योंकि वे मेक्सिको, कनाडा, चीन और अन्य देशों पर नए शुल्क लगाने जा रहे हैं।' जीटीआरआई शायद इस संभावना को भूल गई कि उन अन्य देशों में भारत भी एक हो सकता है। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान जिन पक्षों को अनुचित व्यापार व्यवहार में लगा बताया था, उनमें यूरोपियन यूनियन और भारत भी हैं।

बहरहाल, ये आशंका टल भी गई, तो भी यह सवाल तो बना रहेगा, जैसाकि खुद जीटीआरआई ने भी स्वीकार किया है कि ट्रंप-1 से बने अवसर भारत के हाथ से निकल गए? संस्था ने कहा है कि उस अवसर का सबसे ज्यादा लाभ मेक्सिको, कनाडा, एवं आसियान देशों ने उठाया। इसकी वजह स्थानीय सप्लाई चेन और महत्त्वपूर्ण माध्यमिक इनपुट्स के उत्पादन में भारत की कमजोरी रही। संस्था की सलाह है कि भारत को ये कमजोरियां दूर करनी चाहिए। मगर यही तो असल बात है। ये आखिर कैसे और कब होगा?

विचार विमर्श की प्रक्रिया विपक्ष की वजह से लंबी खींची रही

एस. सुनील

संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।

देश के नागरिकों ने क्या विपक्ष का चुनाव उसी काम के लिए किया है, जो विपक्षी पार्टियों ने संसद के शीतकालीन सत्र में किया है? यह यक्ष प्रश्न है और इसका जवाब निश्चित रूप से विपक्षी पार्टियों के देना चाहिए। संसदीय लोकतंत्र की यह सुंदरता है कि इसमें मतदाता सिर्फ सरकार नहीं चुनते हैं, बल्कि विपक्ष भी चुनते हैं। उन्होंने तीन चुनाव में पहली बार कांग्रेस को मुख्य विपक्षी दल के तौर पर चुना है। इससे पहले दो चुनावों में देश के मतदाताओं ने कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी बनने लायक जनादेश भी नहीं दिया था। परंतु इस बार उसे मुख्य विपक्षी पार्टी का जनादेश मिला तो क्या वह इसलिए मिला कि श्री राहुल गांधी आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष बनें और अपने 99 सांसदों के दम पर संसद को ठप्प कर दें या संसद के सत्र में अनावश्यक मुद्दे उठाएं और कामकाज बाधित करें या संसदीय परंपराओं को खंडित करें और एक सांसद ने नाते मर्यादा की गिरावट की नई मिसाल बनाएं?

मतदाताओं ने सरकार का बहुमत कम किया और विपक्ष की शक्ति बढ़ाई तो उसका उद्देश्य सरकार को पहले से ज्यादा जवाबदेह बनाने के साथ साथ विपक्ष को भी रचनात्मक भूमिका देने का था। परंतु ऐसा लग रहा है कि विपक्ष ने जनादेश की गलत व्याख्या कर ली। उसको लग रहा है कि जनता ने उसे सरकार को कामकाज नहीं करने देने के लिए पहले से ज्यादा शक्तिशाली बनाया है।

संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्षी पार्टियों ने इसी धारणा के साथ काम किया। पहले दिन से विपक्षी सांसदों ने अनावश्यक मुद्दे उठाए और कामकाज नहीं चलने दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सत्र के पहले दिन, 25 नवंबर को विपक्षी पार्टियों से आह्वान किया था कि संसद के सुचारू संचालन में सहयोग करें। संसदीय कार्यमंत्री श्री किरेन रिजीजू ने कहा था कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। परंतु पहले दिन से ऐसा लगा कि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने संकल्प किया हुआ है कि कार्यवाही नहीं चलने देनी है। उसने पहले दिन से अडानी समूह का मुद्दा उठाया। यह सही है कि अमेरिका की एक अदालत में अडानी समूह से जुड़े आठ लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगे हैं। परंतु क्या कांग्रेस पार्टी खासतौर से श्री मल्लिकार्जुन खडगे और श्री राहुल गांधी कभी यह सोचते हैं कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले इस तरह के मुद्दे कहां से और क्यों आ जाते हैं?

पूरे वर्ष में संसद के सिर्फ तीन सत्र होते हैं। अधिकतम चार महीने संसद की कार्यवाही चलती है। परंतु हर बार उससे पहले कोई न कोई विदेशी मीडिया या रिसर्च संस्थान या कोई गैर सरकारी संगठन भारत को लेकर कथित खुलासा कर देता है और उसके बाद विपक्षी पार्टियां उसके आधार पर हंगामा करके संसद नहीं चलने देती हैं। विपक्ष को निश्चित रूप से यह सोचना चाहिए कि हर बार सत्र से पहले क्यों हिंडनबर्ग या पेगासस या ओसीसीआरपी या मीडियापार्ट की खबरें आती हैं? और उसके आधार पर संसद नहीं चलने या पक्ष और विपक्ष में टकराव बढने से किसका फायदा होता है और किसको नुकसान होता है?

संसद का शीतकालीन सत्र एक महीने चला और चार हफ्ते की कार्यवाही के दौरान कोई विधायी कार्य संपूर्ण नहीं हुआ। सरकार ने चार विधेयक जरूर प्रस्तुत किए परंतु एक भी विधेयक दोनों सदनों से स्वीकार होकर कानून बनने के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया। विपक्षी पार्टियों ने हर किस्म की नकारात्मकता दिखाई। एक अनावश्यक मुद्दे पर संसद को ठप्प किया। उसके बाद उप राष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। यह पहली बार हुआ कि विपक्ष ने लगातार दो सत्रों में सभापति के खिलाफ इस तरह से अविश्वास प्रस्ताव का प्रयास किया। हालांकि सत्र के अंतिम दिन उप सभापति श्री हरिवंश ने विपक्ष को नोटिस को नामंजूर कर दिया। लेकिन विपक्ष ने दिखा दिया कि वह टकराव बढ़ाने के लिए किस हद तक जाने को तैयार है। रचनात्मक भूमिका निभाने और संसदीय कार्यवाही में सकारात्मक योगदान देने की बजाय विपक्ष की यह नकारात्मकता उसको खुद को तो नुकसान पहुंचा ही रही है अंततः देश को भी नुकसान पहुंचा रही है।

विपक्ष ने संसद को एक तरह से राजनीतिक उद्देश्य पूरा करने के लिए लड़ाई का मैदान बना दिया है। इसे शीतकालीन सत्र के अंतिम तीन दिन की कार्यवाही से समझा जा सकता है। राज्यसभा में संविधान पर दो दिन की चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार, 17 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अतिम शाह ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के प्रति उमड़े विपक्ष के नए नए प्रेम पर तंज किया और कहा कि, अभी एक नया फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकर इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता'। इसमें डॉक्टर अंबेडकर के लिए कुछ भी अपमानजनक नहीं है।

यह विपक्ष पर व्यंग्य था क्योंकि कांग्रेस और उसकी ज्यादातर सहयोगी पार्टियों ने कभी भी बाबा साहेब अंबेडकर को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। कांग्रेस ने उनको भारत रत्न नहीं मिलने दिया। उन्हें भारत रत्न तब मिला, जब कांग्रेस दूसरी बार केंद्र की सत्ता से बाहर हुई और भाजपा के समर्थन वाली सरकार बनी। कांग्रेस को जब लगा कि डॉक्टर अंबेडकर की अनदेखी करने और एक परिवार के लिए सब कुछ आरक्षित करने की उसकी नीति सवालों के घेरे में आई हुई है तो उसने उलटे बाबा साहेब के अपमान का मुद्दा बना दिया।

जिन लोगों ने अपने लंबे शासनकाल में कभी भी डॉक्टर अंबेडकर को सम्मान नहीं दिया और दलितों, पिछड़ों, वंचितों के लिए बाबा साहेब की सोच को शासन में लागू नहीं किया उन लोगों ने उनके अपमान का झूठा मुद्दा बना कर संसद को लड़ाई का अखाड़ा बना दिया। शीतकालीन सत्र में संसदीय राजनीति पर धब्बा लगाने वाली दूसरी घटना भी इसी से जुड़ी है। डॉक्टर अंबेडकर के कथित अपमान के मसले पर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के सांसद इतने आक्रामक हो गए कि लडने, भिडने पर आमादा हो गए। विपक्ष के आक्रामक प्रदर्शन की वजह से गुरुवार, 19 दिसंबर को संसद परिसर में धक्कामुक्की हो गई, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के दो सांसद घायल हो गए।

बुजुर्ग सांसद श्री प्रताप सारंगी और श्री मुकेश राजपूत को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। भाजपा ने इस मामले में श्री राहुल गांधी के खिलाफ संसद मार्ग थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा इसकी जांच करेगी। इतना ही नहीं नागालैंड की अनुसूचित जनजाति की महिला सांसद सुश्री फांगनोन कोन्याक ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। महिला सांसद का कहना है कि राहुल इतने नजदीक आ गए थे कि वे असहज महसूस कर रही थीं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इसका संज्ञान लिया है और लोकसभा स्पीकर व राज्यसभा के सभापति को इस मामले में तत्काल और उचित कार्रवाई करने को कहा है।यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसदीय मर्यादा और परंपरा का लगातार क्षरण होता जा रहा है। कांग्रेस पार्टी लगातार तीसरी बार चुनाव हारने के बाद सत्ता के लिए इतनी बेचैन हो गई है कि उसने संसद की गरिमा का ख्याल त्याग दिया है। उसे लग रहा है कि पहले 10 साल उसने जो नकारात्मक भूमिका निभाई उसी से उसके सांसदों की संख्या बढ़ी है और इसलिए उसे और ज्यादा नकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। परंतु ऐसी राजनीति कांग्रेस के लिए और साथ साथ देश, समाज व नागरिकों के लिए भी नुकसानदेह है। इस समय देश के सामने अनेक गंभीर सवाल हैं, जिन पर संसद के अंदर चर्चा होनी चाहिए थी।बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिंदुओं पर जिस तरह से अत्याचार हो रहे हैं, उस पर सभी को एकजुट होकर सवाल उठाना चाहिए थी। कनाडा और दुनिया के दूसरे देशों में हो रही भारत विरोधी गतिविधियों पर चर्चा करने और सरकार के हाथ मजबूत करने की आवश्यकता थी। राजधानी दिल्ली में, जहां विपक्षी सांसद अनावश्यक मुद्दों पर संसद की कार्यवाही स्थगित कर रहे थे वहां वायु प्रदूषण इतना है कि लोगों का दम घुट रहा है।

मावठा

सर्दी की पहली बरसात उपवन में छाई
महीनों के बाद बाहर।

छाई हरियाली खेतों मेंऔर छिटकी सूर्य की
पहली लाल किरण बागों में।

दूर वनों में पसरा गहरा कोहरा और
घरों में गर्माहट कर रहा काला कोयला।

हिमपात हो रहा पहाड़ों पर और बह रहा
शीतल स्वच्छ जल नदी नलों में।

डॉ.राजीव डोगरा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश (युवा कवि लेखक)
(हिंदी अध्यापक)
पता-गांव जनयानकड़

देवेन्द्र यादव चुनावी तैयारी में कहीं आगे निकल चुके

अनिल चतुर्वेदी

दिल्ली में सरकार किसकी बनती है और कौन बनता है दिल्ली का सीएम यह तो बाद की बातें हैं लेकिन सच तो यह भी है कि कांग्रेस या भाजपा में नेता इस मक़सद से तो टिकट की माँग भी नहीं कर रहे और न ही हिम्मत जुटा पा रहे हैं पर हाँ यह ज़रूर है कि पब्लिसिटी और नंबर बनाने या फिर रुतबे के लिए पार्टियों के नेता केजरीवाल के रहते खुद को उनके सामने लाना चाह रहे हैं। नई दिल्ली से जीतने वाला नेता अक्सर सीएम का दावेदार रहा है सो आप पार्टी से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस विधानसभा से मैदान आ चुके हैं ,कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप को अपना उम्मीदवार बना चुकी है रही बात भाजपा की सो अभी उम्मीदवार तय नहीं है।दिसंबर के आखिर में उम्मीदवार तय किए जाने की उम्मीद है। यह अलग बात है कि पार्टी ने यहाँ से उम्मीदवारी को लेकर कई बार रणनीति बनाई पर नतीजा कुछ नहीं निकला। अब जो सबसे ज़्यादा दावेदारी कर रहे हैं वे हैं पूर्व मुख्यमंत्री स्व: साहिब सिंह वर्मा के बेटे और पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह । नेताजी बाहरी दिल्ली से सांसद रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में जिन छह सांसदों के टिकट पार्टी ने काटे थे प्रवेश उनमें से एक हैं। अब पार्टी ने भले प्रवेश के नाम की घोषणा यहाँ से चुनाव लडने के लिए नहीं की हो पर नेताजी ने इस विधानसभा की दीवारों को अपने नाम और यहाँ से लडने का संकेत देकर पाट दिया है। यही नहीं सोशल मीडिया और अख़बारों में भी इसी तरह की पिछले दिनों खबरें भी छपीं हैं। बाहरी दिल्ली से ही लोकसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवार को समर्थन देने को लेकर भी अपने ये नेताजी सुर्खियों में रहे थे। और तो और पिछले दिनों कार्यकर्ताओं की मीटिंग में भी कुछ ऐसे ही संकेत दिए गए कि मानो वे नई दिल्ली से पार्टी उम्मीदवार है और सीएम के दावेदार हों । साथी नेताओं ने तो इस मीटिंग में यहाँ तक कह भी डाला कि उन्हें इन नेताजी को जिताना है पर शायद भाजपा की ज़मीन पर अभी ऐसा कुछ भी नहीं बताया जा रहा है। कि नेताजी उम्मीद हैं भी या नहीं ।या यह मानिए कि अभी सिर्फ़ ख्याली पुलाव वाली बात। यह ज़रूर है कि नेताजी ने इस मीटिंग में खान-पान की व्यवस्था ज़रूर की थी और नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज इसमें मौजूद थीं।अब भला नेताजी अपने संसदीय क्षेत्र की दस विधानसभाओं में किसी एक से लड़कर बाहर की नई दिल्ली से लडने की इच्छा क्यूं जता रहे हैं भाजपा ही नहीं बाक़ी राजनीतिक दलों में भी यह चर्चा का सवाल बना हुआ है।यूँ नेताजी जाट विरादरी से ताल्लुक़ रखते हैं पर नई दिल्ली विधानसभा में जाट वोटों की संख्या न के समान मानिए। यहाँ वाल्मीकि,धोबी ,वैश्य दलित, उत्तराखंड के और पंजाबी आदि वोटर तो हैं पर जाट या मुस्लिम वोटरों की संख्या तो बेहद कम है। ऐसे में अपने ये नेताजी किसके दम पर चुनाव का दम भर रहे हैं यह तो राम जाने पर हाँ अगर आकाओं का फ़ैसला साम दाम दंड भेद से जीतने का ही होगा तो बाक़ी तो सभी कुछ नगण्य ही होना है। यह बात दूसरी है कि खुद भाजपा के नेता भी अपने बूते 70 में से 20 से 25 सीटें जीत पाने के दम के साथ केजरीवाल की सरकार एक बार बनते देख रहे हैं ।दिल्ली में सरकार किसकी बनती है यह भले इंतज़ार की बात हो लेकिन सरकार बनाने की कोशिश में तो फिलाहल भाजपा से कहीं आगे हैं। आप और भाजपा के खिलाफ तकरीबन 60 जगहों पर प्रदर्शन और दिल्ली न्याय यात्रा निकाल कर कांग्रेस ने वोटरों के दिलों में कहीं न कहीं जगह ज़रूर बनाई है।

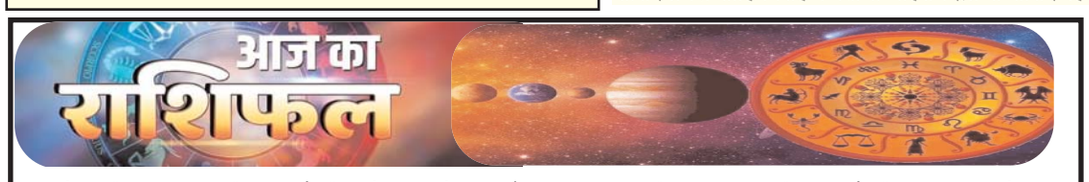

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आज आपको निजात मिलेगी और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी । आज किसी अनुभवी के मार्गदर्शन से प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री संबंधी रुका काम पूरा हो जाएगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने काम के प्रति व्यस्त रहेंगे । आज व्यस्ततम दिनचर्या रहेगी लेकिन आप अपने कार्यों को सहज ही पूरा कर लेंगे ।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्ने मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से किया गये काम में आपको सफलता मिलेगी।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्त्व मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा। आज रुका हुआ पैसा मिल सकता है, हालांकि दिन की शुरुआत में चुनौतियां रहेगी, लेकिन किसी अनुभवी की मदद से रास्ते आसान हो जाएंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज समय आपके पक्ष में है । काम आसानी से बनेंगे और किसी नई योजना पर भी काम करने का अवसर मिलेगा। परिवार और फाइनेंस से संबंधित लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय सकारात्मक रहेंगे। कुछ समय से चल रही किसी समस्या का समाधान मिलेगा।

कन्या राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड बात करेंगे और फाइनेंस सम्बंधित कुछ योजनाये बनेगी। आज आपका काम करने का जनून आपको मेहनत करने की क्षमता प्रदान करेगा। आज किसी भी ऑफिशियल यात्रा को करने के लिए समय अनुकूल है। आज पारिवारिक सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। लवमेट में एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान और विश्वास करेंगे। आज आपका किसी इंटरव्यू में सिलेक्शन होगा, अच्छी जॉब मिलेगी। आज आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज जिम्मेदारियां रहेंगी, लेकिन उनसे भागने की बजाय बेहतर तरीके से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज जल्दबाजी और भावुकता में निर्णय न लें ।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने की बजाय उसका समाधान ढूंढे तो जल्दी ही हल मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा । आज दिनचर्या में कुछ बदलाव लाने से नए अवसर मिलेंगे। छात्रों को करियर संबंधित खुशखबरी मिलने वाली है ।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। आज कारोबार में नई तकनीक का इस्तेमाल करने संबंधी कार्य प्रणाली पर विचार-विमर्श होगा। योजना को गति देने में आपकी मेहनत रंग लाएगी। लवमेट को मुलाकात का अवसर मिलेगा ।

मकर राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित उचित जानकारी हासिल करेंगे, फिर उस पर काम करेंगे । इससे आपको बेहतर परिणाम हासिल होंगे । आय के नए स्त्रोत बनेंगे । बुजुर्गों प्यार व आशीर्वाद घर में शांतिपूर्ण माहौल बनाकर रखेगा। किसी रुके हुए काम को पूरा करने में सफलता मिल सकती हैं। आज कठिन परिस्थितियों में भी आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपको साहस मिलेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सकारात्मक सोंच जीवनयापन में आपकी मदद करेगी। आज घर तथा बाहर दोनों जगह किसी बड़े फैसले को लेने में आपका विशेष योगदान रहेगा । अगर कहीं पैसा फंसा हुआ है, तो उसकी वसूली के लिए प्रयास करेंगे, सफलता मिल सकती है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर सहमति बन जाने से राहत की सांस लेंगे। छोटों की गलतियों को माफ करते चलेगे और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन पर अमल करेंगे। किसी भी योजना की पहले उचित रूपरेखा बनाए, बाद में उस पर काम करेंगे । आज किसी पॉलिसी में निवेश करने की योजना बन रही है, तो दिन शुभ है।

नया साल मनाने जा रहे बेटे बेटियों को सावधान करें

रमेश शर्मा

केवल भारत ही नहीं पूरी दुनियाँ नया साल मनाने की तैयारी हो रही है । नदियों झील, समन्दर और पहाड़ों के पर्यटन स्थल और महानगरों में बार, होटल रेस्टोरेंट बुक हो चुके हैं । लेकिन एक बात समझ लें। गत वर्ष सौ से अधिक युवा घर लौट ही नहीं सके थे । वे या तो या तो नशे में गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुये अथवा नशे में हुये झगड़ों का शिकार बने थे। घायलों की संख्या भी सैकड़ों में रहीं। गत वर्ष केवल उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों पर छै मौतें, पचहत्तर घायल हुये थे । आपसी झगड़ों में पुलिस ने आधीरात को 55 युवा बंदी बनाये थे ।

वर्ष 2024 के समापन के पल समीप आ गये । भारत में यह वर्ष अनेक उपलब्धियों की सौगात देकर विदा हो रहा है । पूरी दुनियाँ के साथ भारत में भी नववर्ष के स्वागत की तैयारी के समाचार मीडिया में आने लगे। यह तैयारी पर्यटन स्थलों, होटल, बार, रेस्टोरेंट आदि में अधिक है । अंग्रेज क्रिसमस की इन छुट्टियों में मंसूरी नैनीताल आदि पहाड़ों पर जाया करते थे । अंग्रेज भले चले गये छुट्टियों में पहाड़ों पर जाने की परंपरा छोड़ गये । हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी पहाड़ों के अधिकांश होटल बुक हो चुके हैं । पिछले वर्ष तो रास्ते में पाँच-पाँच किलोमीटर के जाम लगा था । इसके अतिरिक्त वर्ष हजारों लाखों लोगों द्वारा अपने नगर के होटलों में पार्टी देने की ही नहीं, कमरों की बुकिंग भी हो गई है ।

समय की तेज गति से अब यह प्रश्न पीछे छूट गया कि भारतीय परंपरा में नया साल कब आता है और कैसे मनाया जाता है। भारतीय शासन व्यवस्था और समाज जीवन एक जनवरी को नया साल मनाने की परंपरा में ढल गया है । दैनिक जीवन के कार्य ही नहीं अब तो जन्म पत्रिकाएँ भी अंग्रेजी वर्ष के दिनांक से बनती हैं। कुण्डली दिखाने के लिये भी अंग्रेजी दिनांक ही दी जाती है । यह आधुनिक नया साल प्रातःकालीन सूर्योदय से आरंभ नहीं होता । यह आधी रात से होता है । नये साल का उत्सव भी आधी रात को मनाया जाता है । आधी रात के इस उत्सव की दो विशेषताएँ होतीं हैं। एक यह उत्सव बिना शराब पार्टी के पूरा नहीं होता और दूसरा अधिकांश आयोजनों में स्त्री पुरुष साथ होते हैं । हालाँकि कुछ

-गतवर्ष सौ से अधिक युवा घर लौट नहीं पाये थे, घायल, बलात्कार और गिरफ्तारियों के आकड़े अलग

पार्टियों में परिवार और पारिवारिक मित्रों के साथ होती हैं । लेकिन अनेक पार्टियों में भाग लेने वाले जोड़े, पति पत्नि नहीं, मित्र होते हैं। इनमें अधिकांश वे युवा होते हैं जो पढ़ाई या जॉब के लिये घरों से बहुत दूर रहते हैं। पिछले साल नववर्ष की रात जो घटनाएँ घटीं थीं उनमें अधिकांश इसी प्रकार के समूहों के बीच घटीं थीं। जो हत्या, प्राण घातक मारपीट, बलात्कार, बलात्कार का प्रयास और बेहद घटिया छेड़छाड़ से भरीं थीं। वर्ष 2022 और 2023 के बीच एवं वर्ष 2023 और 2024 के बीच मनाये गये नववर्ष उत्सव की मध्य में रात्रि 10 बजे से 2-30 बजे के बीच केवल साढ़े चार घंटे में देश की राजधानी दिल्ली में कुल बत्तीस बड़े अपराध घटे थे । जिसमें उन्नीस बहुत गंभीर थे। इनमें चार मर्डर और बारह बलात्कार एवं बलात्कार का प्रयास थे । यदि इसमें दून, मुम्बई, बंगलूर, हैदराबाद, चैन्नई आदि 17 महानगरों के आँकड़े जोड़ें तो बड़े अपराधों की यह संख्या सौ से अधिक होती है । गत वर्ष केवल उत्तराखंड के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर झगड़े और दुर्घटनाओं में छै मौतें हुईं थीं। इनमें दून में चार, लालकुआँ भीमताल में एक और हल्द्वानी में एक मौत हुई थी । शराब के नशे में आधीरात को जो झगड़े हुये उनमें कुल 55 लोग बंदी बनाये गये थे। इनमें अकेले दून में तीस लोग बंदी बनाये गये थे । इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ के जशपुर में एक कार पेड़ से टकराई चार मौतें, झारखंड में छै, हापुड़ में दो, जमशेदपुर में छै मौतें हुईं थी ।

नेशनल सिक्युरिटी काउन्सिल द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार देशभर नववर्ष की रात को कुछ 104 मौतें हुईं थीं। गतवर्ष अर्थात 2023 की 30 एवं 31 दिसम्बर तथा वर्ष 2024 की एक जनवरी के इन तीन दिनों में कुल 308 मौतें हुईं थीं। दो वर्ष पहले दिल्ली में एक बेटी को लगभग चौदह किलोमीटर घसीटा गया था । यह घटना सुल्तानपुरी इलाके में घटी थी । वह 20 अंजलि थी ।उसकी हड्डियां घिस चुकी थीं । शरीर पर एक भी कपड़ा नहीं था । यह घटना मीडिया की सुर्खियाँ में आई थी इसलिए दो साल बाद अब भी सबके ध्यान में है लेकिन बाकी सब घटनाएँ एक दिन से आगे न बढ़ सकीं थीं। गत वर्ष नशे की पार्टियों से अलग कुछ टोलियाँ ऐसी भी थीं जो नया साल मनाने किसी होटल में नहीं धार्मिक स्थलों पर गये थे । नववर्ष पर ऐसी ही एक वैष्णों देवी से लौटते समय घटी । तेज रफ्तार गाड़ी खाई में गिरी और बारह लोग मारे गये । इन दुर्घटनाओं में मारे जाने वाले कितने ही युवा अपने माता पिता की इकलौती संतान थे । और वे बेटियाँ जो उत्साह से नववर्ष मनाने गईं लेकिन बलात्कार या बलात्कार के प्रयास का शिकार हुईं । उनकी मनोदशा की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वे पीड़ित प्रताड़ित युवा और उनके परिवार ये दर्द जीवन भर नहीं भूलेंगे।

अपराध के ये आकड़े पहले नहीं हैं। हर साल ऐसी घटनाएँ घटतीं है । नववर्ष मनाने के पिछले दस वर्षों में ऐसी घटनाओं के आँकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। ये आँकड़े वे हैं जो पुलिस तक पहुंचे। छेड़छाड़ आदि की कितनी घटनाएँ ऐसी होंगी जो पुलिस तक नहीं पहुँच सकीं। इसका कारण यह है कि नववर्ष की पार्टी केलिये उत्साह का अतिरेक और नशा विवेक को शून्य कर देता है । जिससे वह न तो अपने भविष्य का आकलन कर पाता है और न पिछली घटनाओं से कोई सबक ही लेता है । इस वर्ष भी यही हो रहा है।

नववर्ष उत्सव मनाने की तैयारी के जो समाचार आ रहे हैं वे पिछले वर्ष से बहुत अलग नहीं है । इसे हम महानगरों के होटल बार और रेस्टोरेंट की बुकिंग से समझ सकते हैं। पर्यटन स्थलों पर जाने वाले मार्गों पर ट्रैफिक बढ़ गया है । यह ठीक है कि दुर्घटनाएँ सभी के साथ नहीं घटतीं। अधिकांश लोग हँसी खुशी से ही लौट आयेंगे। और नववर्ष उत्सव के आनंद को मित्रों से साँझा करेंगे। पिछले सालों में भी ऐसा हुआ है ।

लेकिन सभी ऐसी सौभाग्यशाली नहीं होते। लेकिन जिन बेटे बेटियों का जीवन और मान संकट में पड़ता है उनकी क्षति की भरपाई कभी नहीं होती । इसलिए सावधानी और समझ दोनों आवश्यक हैं। किन मित्रों के साथ नया साल मनाना यह विचार आवश्यक है । जो युवक युवतियाँ अपने मित्रों के साथ नया साल मनाने जा रहे हैं तो सावधानी बरते ।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार, 29 दिसम्बर 2024, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

भारी बर्फबारी से घाटी में जनजीवन अस्त-व्यस्त, जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर सैकड़ों लोग फंसे

श्रीनगर,,(आरएनएस)। भारी बर्फबारी के कारण शनिवार को घाटी में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। पीर पंजाल सुरंग और श्रीनगर शहर के बीच जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंसे रहे।

शुक्रवार दोपहर को भारी बर्फबारी शुरू हो गई, जो शनिवार सुबह तक जारी रही।

सड़क पर अत्यधिक फिसलन से पीर पंजाल सुरंग और श्रीनगर शहर के बीच सैकड़ों वाहन अटके पड़े हैं।

भारी बर्फबारी और शून्य से नीचे के तापमान के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर बर्फ की मोटी चादर जम गई। जिसकी वजह से हाइवे पर गाड़ियां कई घंटों तक सुरंग के अंदर फंसी रहीं।

स्थानीय अधिकारी सड़क पर फंसी हुई गाड़ियों को निकालने के लिए काफी प्रयास कर रहे थे, लेकिन बर्फबारी के कारण वाहन लगातार कई घंटों तक फंसे रहे।

कुलगाम और अनंतनाग जिलों में वरिष्ठ नागरिक और पुलिस अधिकारी बर्फ हटाने वाली मशीनों के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर फंसे वाहनों को निकालने के लिए पहुंचे। शनिवार सुबह तक यातायात पूरी तरह से बहाल नहीं हो सका। श्रीनगर शहर और अन्य जिलों जैसे बडगाम, गांदरबल, बांदीपोरा, बारामुल्ला, कुपवाड़ा, पुलवामा, अनंतनाग, कुलगाम और शोपियां में भारी बर्फबारी के कारण सभी सड़कें बंद हो गईं। बर्फ हटाने वाली मशीनों को सुबह भेजा गया ताकि यातायात बहाल किया जा सके। श्रीनगर शहर के कुछ हिस्सों को छोड़कर बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गई। भारी बर्फबारी के कारण बिजली के खंभे उखड़ गए, ट्रांसमिशन लाइनें टूट गईं और बिजली ग्रिड बाधित हो गए।हालांकि इस बर्फबारी से स्थानीय लोग काफी खुश हैं। क्योंकि लंबे समय से सूखा चल रहा था और लोग अब अच्छी फसल की उम्मीद कर रहे है। पिछले चार महीनों में बारिश न होने के कारण घाटी के अधिकांश झरने और कुएं सूख गए थे।श्रीनगर शहर और आसपास के इलाकों में यह मौसम की पहली बर्फबारी थी। बर्फबारी से घाटी में छुट्टियां मना रहे पर्यटकों के चेहरे भी खिल उठे। गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और अन्य पर्यटन स्थलों में करीब 10 इंच ताजा बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में और बर्फबारी और बारिश का अनुमान जताया है।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के दौरान उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिसंबर की बारिश ने दिल्ली में तोड़ा 101 साल का रिकॉर्ड, वायु गुणवत्ता सूचकांक में हुआ सुधार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में शुक्रवार को भारी बारिश हुई. जिसने दिसंबर के महीने में हुई बारिश का 101 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया. आईएमडी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी के सफदरजंग में शनिवार सुबह 8.30 बजे 24 घंटों के दौरान 41.2 मिमी बारिश दर्ज की गई. जो दिल्ली में दिसंबर के महीने में एक ही दिन में हुई अब तक की दूसरी सबसे ज्यादा बारिश थी. दिसंबर के महीने में इससे पहले बारिश का रिकॉर्ड 3 दिसंबर 1923 को बना था, तब 75.7 मिमी बारिश हुई थी।

वहीं शुक्रवार को हुई बारिश बीते 15 सालों में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई. इस बारिश के बाद अधिकतम तापमान में लगभग 10 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई और तापमान गिरकर 14.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया. इसी के साथ शुक्रवार का दिन इस सीजन में पिछले पांच साल में सबसे ठंडा दिन रहा. बता दें कि राजधानी दिल्ली में शुक्रवार से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है. जिससे ठंड में तो इजाफा हुआ है लेकिन वायु गुणवत्ता सूचकांक काफी बेहतर हो गया है. इसके बाद दिल्ली में लगी ग्रैप-3 की पाबंदियां भी हटा दी गई हैं.केंद्रीय प्रदूषण सूचकांक बोर्ड के मुताबिक, बारिश के बाद शनिवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) घटकर मध्यम श्रेणी में आ गया, जो पिछले कई दिनों से बहुत खराब श्रेणी में बना हुआ था. सीपीसीबी के डेटा के मुताबिक, शनिवार सुबह 8 बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 164 दर्ज किया गया।

सर्दी के बीच बर्फबारी, बारिश और ओलावृष्टि की मार

नईदिल्ली(आरएनएस)। पहाड़ों में भारी बर्फबारी और मैदानी राज्यों में बारिश और ओलावृष्टि के चलते मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। तापमान 10 डिग्री के नीचे आ गया है।पूरा उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में है। भारतीय मौसम विभाग ने आज भी कई राज्यों में बादल छाए रहने के साथ दिनभर रुक-रुक कर बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।दूसरी तरफ कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी से सैलानियों की मुसीबत बढ़ गई है।

जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में शुक्रवार रात को भारी बर्फबारी हुई, जिससे तापमान शून्य से नीचे चला गया है। इससे गुलमर्ग और तनमार्ग के घाटी के इलाकों में कई सैलानी फंस गए।सेना ने सड़कों के बंद होने के कारण 30 महिलाओं और 8 बच्चों समेत 68 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया।श्रीनगर-लेह हाईवे और मुगल रोड को बंद कर दिया गया। इससे लगभग 2,000 वाहन फंस गए। श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 5 उड़ानें भी रद्द हुईं।उत्तराखंड में भारी बर्फबारी का दौर जारी है, जिसके चलते शिमला का ऊपरी क्षेत्र दूसरे इलाकों से पूरी तरह से कट चुका है। आज भी शीतलहर और भारी बर्फबारी की संभावना है।

शिमला में भारी बारिश और बर्फबारी, कड़ाके की ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और राज्य के ऊपरी क्षेत्र पिछले 24 घंटों से लगातार भारी बारिश और बर्फबारी हो रही है. जिसके चलते भूस्खलन होने लगा है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. वहीं लगातार हो रही बारिश के चलते शिमला और आसपास के इलाकों में बर्फ पिघल गई है, जिससे तापमान में और गिरावट आ गई है. इसके बाद यहां हाड़ कंपा देने वाली ठंड शुरू हो गई है. बर्फबारी के चलते पर्यटकों की भले ही मौज हो गई हो लेकिन स्थानीय निवासियों के लिए ये किसी मुसीबत से कम नहीं है. क्योंकि यहां के ज्यादातर लोग दैनिक मेहनत मजदूरी से ही अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं.शिमला में इनदिनों बर्फबारी हो रही है, लेकिन इस बीच बारिश भी होने लगी. जिससे पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी तो हुई लेकिन दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ गईं. गिरते पारे और लगातार बारिश ने स्थानीय लोगों और श्रमिकों के लिए मुश्किलें पैदा कर दीं. सबसे अधिक प्रभावित होने वालों में दिहाड़ी मजदूर शामिल हैं, जो आवश्यक सेवाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए गंभीर मौसम की स्थिति का सामना करते हैं.

घर-घर गैस सिलेंडर पहुंचाने वाले एक मजदूर ने बताया कि, शिमला में पिछले दो दिनों से मौसम बेहद खराब है, जिससे काम बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है. लगातार बारिश और जमा देने वाली ठंड के कारण सिलेंडर पहुंचाना एक कठिन काम बन गया है. ठंड असहनीय है, जिससे हमारा काम कठिन हो गया है।

उन्होंने कहा कि ठंड से निपटने के लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी हो रही है. तापमान गिरने के बावजूद हमें सुबह से शाम तक काम करना पड़ता है. हमें ठंड से बचाने के लिए कोई सुविधाएं नहीं हैं. वहीं एक अन्य शख्स ने बताया कि, हमारी एक आपातकालीन सेवा है, इसलिए हमें मौसम की परवाह किए बिना काम करना होगा. कल से, भारी बारिश हो रही है और हालात खराब हैं. यह सुनिश्चित करने के लिए कि लोगों के लिए सिलेंडर की कोई कमी नहीं है, हमें बारिश और ठंड के बावजूद उन्हें बांटना होता है।

प्रधानमंत्री मोदी की दिल्ली परिवर्तन यात्रा का कार्यक्रम टला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिल्ली के रोहिणी में होने वाली परिवर्तन यात्रा को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में घोषित सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक के मद्देनजर पुनर्निर्धारित किया गया है।

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और भारत के 14वें प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार रात नई दिल्ली स्थित एम्स में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सिंह के निधन पर सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है, जो 1 जनवरी 2025 तक रहेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए कई सरकारी कार्यक्रमों को पुनर्निर्धारित किया गया है।

भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री मोदी की रोहिणी रैली के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान की शुरुआत करने की योजना बनाई थी, जिसे अब 5 जनवरी 2025 के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा रैली के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं किए जाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, 3 जनवरी को एक और बड़ी रैली निर्धारित है।

श्रीनगर में मौसम की पहली बर्फबारी के बाद बर्फ से ढके वाहन, चारों ओर सर्दियों का नजारा।

मनमोहन सिंह स्मारक विवाद के बीच प्रणब मुखर्जी की बेटी ने की कांग्रेस की आलोचना

नईदिल्ली (आरएनएस)। पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता मनमोहन सिंह के समाधि स्थल पर चल रहे विवाद के बीच पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस की आलोचना की है।दरअसल, उन्होंने मुखर्जी के निधन के बाद कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक आयोजित न किए जाने को लेकर पार्टी पर हमला बोला है।हालांकि, उन्होंने मनमोहन सिंह के लिए एक स्मारक स्थल के लिए जमीन आवंटित करने पर केंद्र से कांग्रेस के अनुरोध का समर्थन किया है।शर्मिष्ठा ने एक्स पर लिखा, जब बाबा (प्रणब मुखर्जी) का निधन हुआ, तो कांग्रेस ने शोक सभा के लिए सीडब्ल्यूसी को बुलाने की भी जहमत नहीं उठाई। एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा कि राष्ट्रपतियों के लिए ऐसा नहीं किया जाता। यह पूरी तरह बकवास है क्योंकि मुझे बाद में बाबा की डायरी से पता चला कि केआर नारायणन की मृत्यु पर, सीडब्ल्यूसी को बुलाया गया था और शोक संदेश बाबा द्वारा ही तैयार किया गया था।

मनमोहन सिंह के परिवार और सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करे केंद्र सरकार : मायावती

लखनऊ (आरएनएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम स्मारक बनाने के लिए केंद्र सरकार से मांग की।

मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि केंद्र सरकार देश के पहले सिख प्रधानमंत्री रहे डा. मनमोहन सिंह के देहांत होने पर उनका अंतिम संस्कार जहां करें वहीं सम्मान में स्मारक आदि बनवाएं जहां उनके परिवार की दिली इच्छा है।

उन्होंने आगे लिखा कि इसके लिए कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं है और इन मामलों में केंद्र सरकार इनके परिवार की व सिख समाज की भी भावनाओं का

ज़रूर सम्मान करे तो यह उचित होगा।

मायावती का ये पोस्ट कांग्रेस की उस मांग के बाद आया है जिसमें उसने केंद्र से अंतिम संस्कार स्थल पर ही स्मारक बनाने की अपील की है।गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। तबीयत बिगड़ने के बाद गुरुवार को उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह ने एम्स के आपातकालीन विभाग में अंतिम सांस ली। दिल्ली एम्स की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर उनकी निधन की पुष्टि की गई थी।दिल्ली एम्स ने अपने आधिकारिक बयान में बताया कि वह उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और 26 दिसंबर को वह घर पर अचानक बेहोश हो गए थे। इसके बाद घर पर उन्हें तत्काल उपचार दिया गया। उन्हें शाम 8.06 बजकर एम्स के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। इन सब प्रयासों के बावजूद उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ और रात 9.51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। ज्ञात हो कि मनमोहन सिंह साल 2004 से 2014 तक दो बार प्रधानमंत्री रहे थे।

पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा का बड़ा दांव हार के डर से अपनी सीट बदल सकते हैं केजरीवाल

नई दिल्ली सीट से इस बार काटे की टक्कर होने की उम्मीद

नई दिल्ली (ए)। भाजपा नेता और पश्चिम दिल्ली के पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आप प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी सीट बदल सकते हैं। भाजपा नेता वर्मा ने कहा कि केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा के अलावा कहीं और से चुनाव लड़ सकते हैं। केजरीवाल 2013 से नई दिल्ली सीट से विधायक हैं और लगातार चौथी बार निर्वाचन क्षेत्र से आप उम्मीदवार हैं।

वहीं वर्मा की पोस्ट पर आप की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पूर्व सांसद वर्मा ने दावा किया है कि भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव की तैयारी करने को कह दिया है। उन्होंने कहा, सूत्रों ने मुझे बताया है कि केजरीवाल अपनी सीट बदल सकते हैं। मैं बस केजरीवाल जी से कहना चाहता हूं कि कृपया नई दिल्ली विधानसभा सीट से भागें नहीं। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और सीएम आतिशी ने बीजेपी नेता प्रवेश वर्मा पर निशाना साधकर पैसा बांटने का आरोप लगाया

था।

सीएम आतिशी ने बीजेपी पर आरोप लगाकर कहा था, केजरीवाल जिस नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ते हैं, वहां बीजेपी वोटर कार्ड चेक करके लोगों को पैसे बांट रही है। आज प्रवेश वर्मा अपने सरकारी आवास पर पैसे बांटते पकड़े गए, जो उन्हें सांसद होने के नाते मिले थे। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों की झुग्गियों से महिलाओं को वहां बुलाकर एक लिफाफे में 1100 रुपये दिए गए। मैं ईडी और सीबीआई से कहना चाहता हूं कि वर्मा के घर पर अभी भी करोड़ों रुपये की नकदी पड़ी है, आप अभी जाइए।

बीपीएससी परीक्षा विवाद , नामी शिक्षक गुरु रहमान को भेजा गया नोटिस

पटना,(आरएनएस)। पटना पुलिस ने प्रसिद्ध शिक्षक गुरु रहमान को नोटिस भेजा है। उन्हें थाने में आकर पेपर लीक संबंधित सबूत पेश करने को कहा गया है। मामला बीपीएससी परीक्षा पेपर लीक से जुड़ा है।गुरु रहमान को आज गर्दनीबाग थाना में बुलाया गया है और कहा गया है कि अगर उनके पास पेपर लीक होने के कोई सबूत हैं, तो उन्हें वह सबूत लेकर आना होगा। अगर वे नहीं आते हैं या उनके पास कोई सबूत नहीं होता है, तो यह माना जाएगा कि वे सरकार और बिहार लोक सेवा आयोग की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।नोटिस में यह भी कहा गया है कि यदि गुरु रहमान नहीं आते या उनके पास कोई सबूत नहीं होता, तो उनके खिलाफ बिहार में राष्ट्रीय सुरक्षा के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है।बता दें कि 26 दिसंबर को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पटना के गर्दनीबाग में धरने पर बैठे थे।इसी बीच, छात्रों के प्रदर्शन में साथ देने चर्चित शिक्षक गुरु रहमान भी पहुंचे। गुरु रहमान ने प्रदर्शनकारी छात्रों का हौसला बढ़ाया था।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

मोनालिसा ने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर मचाया बवाल, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख फैंस ने की तारीफ

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद बोल्ड लुक्स में तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।भोजपुरी और टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर इंटरनेट का पारा गर्म कर देती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।इन फोटोज में उनक हॉट एंड स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।मोनालिसा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर की स्पैगडी और रफ लुक में डेनिम जींस पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में कहर ढाती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक सो गॉर्जियस। तीसरे यूजर ने लिखा है- गॉर्जियस। ऐसे ही एक के बाद एक कर के यूजर्स कॉमेंट्स कर रहे हैं।

विश्वक सेन की लैला की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, पहला पोस्टर भी आया सामने

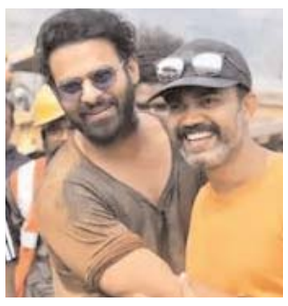

वैलेंटाइन डे पर रिलीज हो रही है विश्वक सेन की फिल्म लैला। मास का दास विश्वक सेन अपनी अनूठी भूमिकाओं और विचारोत्तेजक मनोरंजन के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हाल ही में गामी और मैकेनिक रॉकी जैसी फिल्मों से लोगों का मनोरंजन किया। अब वह अपनी फिल्म लैला के साथ लोगों का मनोरंजन करने आ रहे हैं। इस फिल्म में विश्वक सेन कुछ अलग करने की हिम्मत कर रहे हैं। लैला में विश्वक सेन एक महिला की भूमिका निभा रहे हैं और यह उनके सभी प्रशंसकों के लिए दोहरी खुशी होगी। निर्माताओं ने आज फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की। निर्माताओं ने लैला की रिलीज की तारीख 14 फरवरी तय की और इस तरह उन्होंने बड़े पर्दे पर फिल्म प्रेमियों को वैलेंटाइन डे का तोहफा देना पसंद किया।रिलीज पोस्टर में विश्वक सेन स्टाइलिश अवतार में चश्मा लगाए और शर्ट से अपना चेहरा ढके हुए नजर आए। लैला का पहला लुक (फर्स्ट रोज) 1 जनवरी 2025 को सामने आएगा।फिल्म निर्माताओं ने टॉलीवुड में फीमेल लीड के तौर पर आकांक्षा सिंह को डेब्यू कराया है। साहू गरपति द्वारा शाइन स्क्रीन पर निर्मित इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर लियोन जेम्स हैं।

आइटम सॉन्ग के साथ पंजाबी फिल्मों में डेब्यू करेंगी निक्की तंबोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी निक्की तंबोली पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। वह जल्द ही फिल्म बदनाम के आइटम सॉन्ग में नजर आएंगीं। यह फिल्म फरवरी में रिलीज होने वाली है।निक्की ने कहा, मैं बदनाम का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हूं। यह एक ऐसा गाना है जो आपको उठकर नाचने पर मजबूर कर देगा और मैं इतनी शानदार टीम के साथ काम करने का मौका पाकर बहुत आभारी हूं।

निक्की हमेशा से ही कुछ नया करने की तलाश में रहती है और बदनाम बस इसी का एक और उदाहरण है।

निक्की तंबोली ने गाने पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरे प्रशंसकों को यह गाना उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे इस गाने पर काम करने में मजा आया।

इस गाने को सुनिधि चौहान ने अपनी आवाज दी है। बदनाम फरवरी 2025 में रिलीज होने वाली है। यह जय रंधावा, जैस्मीन भसीन और मुकेश ऋषि अभिनीत एक रोमांटिक ड्रामा है।

निक्की के करियर पर एक नजर डाले तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। 2019 में उन्होंने तेलुगू हॉरर कॉमेडी फिल्म चिकाती गडिलो चिथाकोटुडु से अपने अभिनय की शुरुआत की।

बाद में उन्होंने एक्शन हॉरर फिल्म कंचना 3 में दिव्या के रूप में तमिल में अपनी शुरुआत की। कंचना 3. उनकी तीसरी फिल्म तेलुगु में थिप्पारा मीसम थी। 2020 में, उन्होंने हिंदी रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भाग लेकर अपना टेलीविजन डेब्यू किया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं।2021 में उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 11 में भाग लिया। इस शो को केपटाउन में फिल्माया गया था। ह 10वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा उन्हें कई म्यूजिक वीडियो सहयोग में भी देखा गया था।2022 में वह गेम शो द खतरा खतरा शो में देखी गईं, जिसे भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था।निक्की ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म जोगीरा सारा रा रा में कॉकटेल गाने में एक विशेष भूमिका निभाई। 2024 में वह रियलिटी शो बिग बॉस मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात अरबाज पटेल से हुई, जिन्हें स्प्लिट्सविला 15 में भी देखा गया था। उनकी प्रेम कहानी तब शुरू हुई जब वे बिग बॉस मराठी 5 में प्रतियोगी थे। दोनों के बीच एक करीबी रिश्ता बन गया।

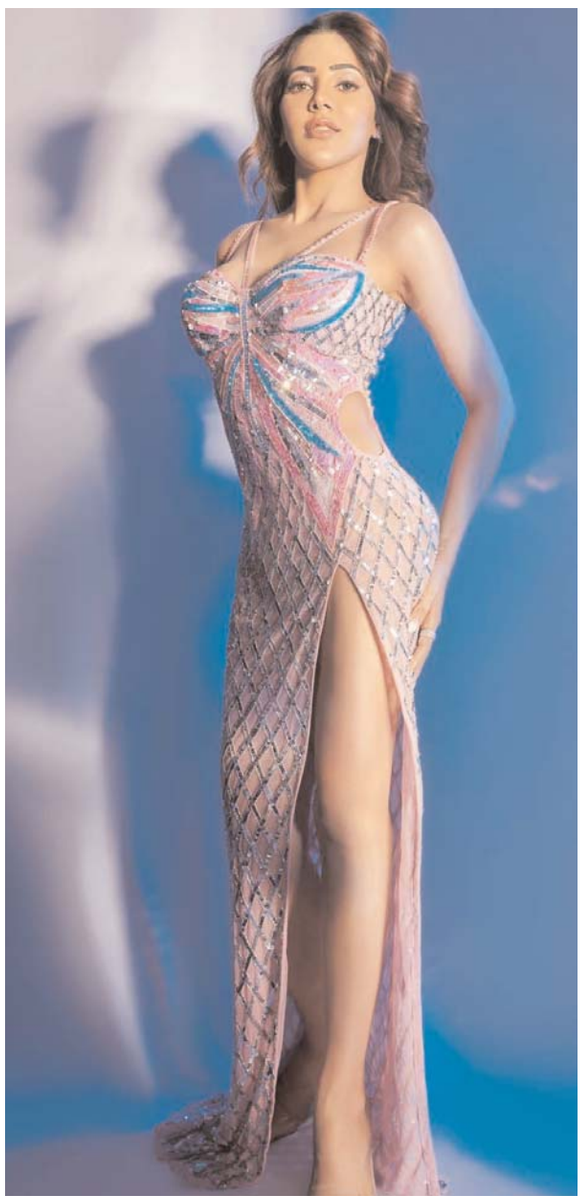

अक्षय कुमार की भूत बंगला से जुड़ीं तब्बू, यह सितारे भी स्टार कास्ट में हुए शामिल

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके निर्देशन की कमान प्रियदर्शन ने संभाली है। एकता कपूर इस फिल्म का निर्माण कर रही हैं।अब खबर आ रही है कि दिग्गज अभिनेत्री तब्बू फिल्म भूत बंगला की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं।अक्षय और प्रियदर्शन के साथ यह तब्बू का दूसरा सहयोग है। इससे पहले तीनों हेरा फेरी (2000) में साथ काम कर चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, तब्बू को भूत बंगला में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। निर्माताओं ने हाल ही में अभिनेत्री से संपर्क किया और उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है।तब्बू ने फिल्म के लिए हामी भर दी है। वह जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर देगी।इसके अलावा वामिका गब्बी भी फिल्म की कास्ट में शामिल हो गई हैं। भूत बंगला में वह अक्षय की प्रेमिका का किरदार निभाएंगी।अक्षय, तब्बू और वामिका के अलावा भूत बंगला में परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी की तिकड़ी भी दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएगी।फिल्म की कहानी काले जादू पर आधारित बताई जा रही हैं। अक्षय और प्रियदर्शन 14 साल बाद फिर से साथ आए हैं।भूत बंगला को 2 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।अक्षय के पास हाउसफुल 5, स्काई फोर्स, वेलकम टू द जंगल, हेरा फेरी 3 और कन्नप्पा जैसी फिल्में भी हैं।

पुष्पा 2 भारत में 1200 करोड़ रुपये का आंकड़ा की ओर, दुनियाभर में कमाए 1705 करोड़ रुपये

पुष्पा 2 ने शुरुआत से ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी. इसने भारत में 164.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग की. इतना ही नहीं, इसने एक ही हफ्ते के अंदर 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया और 1000 करोड़ रुपये के क्लब के नए मील के पत्थर की ओर बढ़ रही थी. हालांकि, 22वें दिन अल्लू अर्जुन की एक्शन ड्रामा की कमाई में 50 प्रतिशत से ज्यादा की बड़ी गिरावट देखी गई.पुष्पा 2 ने पहली बार सिंगल डिजिट में कमाई की है. सैकनिल्क रिपोर्ट के अनुसार, अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की मास एंटरटेनर पुष्पा 2 ने 22वें दिन, गुरुवार को 9.6 करोड़ रुपये कमाए. इसने तेलुगु में 2.02 करोड़ रुपये, हिंदी में 7.25 करोड़ रुपये, तमिल में 0.3 करोड़ रुपये, कन्नड़ में 0.02 करोड़ रुपये और मलयालम में 0.01 करोड़ रुपये कमाए हैं. 21वें दिन, फिल्म ने भारत में सभी भाषाओं में 19.5 करोड़ रुपए कमाए. तीसरे हफ्ते में सुकुमार की निर्देशित फिल्म के कलेक्शन में 50.77 प्रतिशत की गिरावट आई है. इसने

तीसरे हफ्ते में 128.6 रुपये कमाए हैं. 22 दिनों के बाद पुष्पा 2 का भारत में कुल कलेक्शन 1119.2 करोड़ रुपये हो गया है. यह फिल्म अब धीरे-धीरे 1200 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही हैं.22वें दिन यानी चौथे गुरुवार (26 दिसंबर) को पुष्पा 2 ने हिंदी बेल्ट में सबसे ज्यादा कमाई की है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 7.25 करोड़ रुपये की कमाई की है. यह पिछले दिन की तुलना में बहुत बड़ी गिरावट है. इसने 21वें दिन 15 करोड़ की कमाई हुई थी. इस तरह पुष्पा 2 ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर कुल 738 करोड़ रुपये हो गया है.पुष्पा 2 के मेकर्स ने बीते गुरुवार को फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन का ताजा रिपोर्ट शेयर किया है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर अनाउंस किया कि पुष्पा 2 ने 21 दिनों में दुनिया भर में 1705 करोड़ रुपये की कमाई की है. उन्होंने पुष्पा राज के रूप में अर्जुन का एक नया पोस्टर जारी किया, जिसमें लिखा था, 2024 में भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है. पुष्पा 2 21 दिनों में दुनिया भर में 1705 करोड़ की कमाई के साथ 1700 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली अब तक की सबसे तेज भारतीय फिल्म है.

जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा, अगले साल 7 फरवरी को रिलीज होगी लवयापा

फैंटम स्टूडियोज और एजीएस एंटरटेनमेंट ने आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर की डेब्यू फिल्म का टाइटल अनाउंस कर दिया है. इस फिल्म को अद्वैत चंदन ने डायरेक्ट किया है और इसका नाम है लवयापा. आने वाली ये रोमांटिक-कॉमेडी बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है. फिल्म की यंग और फ्रेश एनर्जी दर्शकों को खूब पसंद आएगी. फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं इन दो उभरते सितारों की जबरदस्त केमिस्ट्री देखने के लिए, जो मॉडर्न रोमांटिक-कॉमेडी को एक नया अंदाज देने वाले हैं.लवयापा प्यार और उसकी उलझनों की कहानी है, जिसमें मस्ती और हंसी का तड़का है. यह फिल्म दर्शकों के लिए एक खास तोहफा बनने वाली है. इस बड़े प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रहे हैं दो दमदार प्रोडक्शन हाउस- फैंटम स्टूडियोज और एजीएस एंटरटेनमेंट. फैंटम स्टूडियोज का नाम हमेशा बेहतरीन हिट फिल्मों को बनाने के लिए जाना जाता है, जबकि एजीएस एंटरटेनमेंट ने कई हिट फिल्में दी हैं. इन दोनों के साथ आने से लवयापा में खास जोश और एनर्जी देखने को मिलने वाली है.लवयापा एक मॉडर्न रोमांस है, जो दिल को छू लेने वाली कहानी, बेहतरीन परफॉर्मेंस, मजेदार म्यूजिक और खूबसूरत विजुअल्स से भरपूर है.

2025 के लिए हेल्थी डाइट, नए साल के रिजोल्यूशन में जरूर करें शामिल

नया साल आने वाला है. इसके लिए अभी से लोगों ने तैयारी शुरू कर दी है. अगर आप भी आने वाले साल में स्वस्थ रहना चाहते हैं तो उसके लिए आपको अपनी डायट हेल्थी बनानी होगी. इसके साथ ही वर्कआउट भी करना होगा. नए साल के आप अगर कुछ रिजोल्यूशन लेने का सोच रहे हैं तो उसमें हेल्थी डायट को जरूर शामिल करें. इससे आपका आने वाला साल बहुत अच्छा गुजरेगा. आइए जानते हैं डाइट के बारे में. डायट हेल्थी

वजन घटाएगी एंटी इन्फ्लेमेटरी डाइट

कुछ समय पहले एक्ट्रेस विद्या बालन ने अपने वेट लॉस के बारे में एक अहम जानकारी दी थी. उन्होंने बताया था कि बिना वर्कआउट के उन्होंने एंटी इन्फ्लेमेटरी डाइट की मदद से वजन कम किया. सूजन रोधी डाइट में मुख्य रूप से फल, सब्जियां, नट्स, ओमेगा 3 से भरपूर फिश शामिल होती है. ये डाइट न सिर्फ वजन घटाती है बल्कि डायबिटीज जैसी बीमारी के खतरे को भी कम करती है. 2025 में एंटी इन्फ्लेमेटरी डाइट लोगों की पसंदीदा लिस्ट में पहले नंबर पर रहेगी.

चीनी को छोड़कर खजूर का करें यूज

एंटीऑक्सीडेंट जैसे पॉलीफेनोल, टैनिन और फ्लेवोनोइड्स से भरपूर खजूर 2025 में चीनी की जगह काफी हद तक इस्तेमाल किया जाएगा. वैसे तो चीनी को पूरी तरह से खजूर रिप्लेस नहीं कर पाएगा लेकिन हेल्थ कॉन्शियस लोग मिठास के लिए खजूर का ज्यादा इस्तेमाल करेंगे. खजूर में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और विटामिन ए भी होता है जो इसे मीठा पावरहाउस बनाता है. आप भी नए साल में चीनी कम और खजूर की मात्रा बढ़ा सकते हैं.

प्लांट बेस्ड प्रोटीन लें

2025 में अपनी डाइट में प्लांट बेस्ड प्रोटीन जरूर शामिल करें. नट्स, पनीर, बींस आदि का सेवन आपको सालभर हेल्दी रखेगा. हेल्दी डायजेशन के लिए प्लांट बेस्ड प्रोटीन का सेवन अच्छा माना जाता है. नॉनवेज प्रोटीन से हटकर प्लांट बेस्ड प्रोटीन लोगों में पॉपुलर हो रही है.

चाय का शौक रहेगा बरकरार

2025 में भी चाय का शौक बरकरार रहेगा. साल 2025 में भी चाय लोगों की पसंद रहेगी. ग्रीन टी से लेकर हर्बल टी का क्रेज सर्दियों में खूब जाता है. हर्बल टी से इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद मिलती है.

रास्पबेरी का खट्टा-मीठा स्वाद कर देगा मन को तृप्त, इससे बनाएं ये 5 मीठे व्यंजन

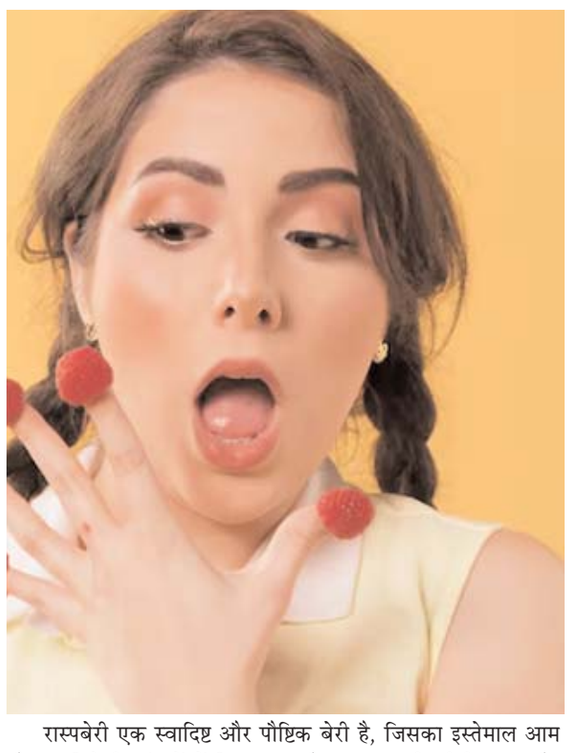

रास्पबेरी एक स्वादिष्ट और पौष्टिक बेरी है, जिसका इस्तेमाल आम तौर पर विदेशी व्यंजनों में किया जाता है। इसका खट्टी-मीठी स्वाद और लाल रंग किसी भी व्यंजन को आकर्षक बना देता है।इस स्वादिष्ट बेरी से आप कई तरह के मीठे व्यंजन भी बना सकते हैं। आज के लेख में हम आपको रास्पबेरी से बनने वाली 5 भारतीय मिठाइयों की रेसिपी बताएंगे।अगर अपने इन्हें एक बार बनाया तो आप इन्हें बार-बार खाना चाहेंगे।

रास्पबेरी गुलाब जामुन

आपने गुलाब जामुन कई बार खाए होंगे, लेकिन इस बार रास्पबेरी गुलाब जामुन का स्वाद चखें। इसके लिए मावा और मैदा मिलाकर छोटे गोले बनाएं।इन्हें हल्के गर्म तेल में तलें, जब तक ये सुनहरे भूरे न हो जाएं। अब चीनी की चाशनी तैयार करें और उसमें थोड़ी रास्पबेरी प्यूरी मिलाएं।तले हुए गुलाब जामुन को इस चाशनी में डालकर कुछ देर छोड़ दें, ताकि वे रसपोषित हो सकें। यह मिठाई घर आए मेहमानों को भी खूब पसंद आएगी।

रास्पबेरी बर्फी

बर्फी हर किसी को पसंद होती है। इसमें रास्पबेरी का स्वाद जोड़ने से इसका मजा और बढ़ सकता है। रास्पबेरी बर्फी बनाने के लिए खोया और चीनी को धीमी आंच पर पकाएं, जब तक वह गाढ़ा न हो जाए।इसमें ताजी पिसी हुई रास्पबेरी डालकर मिला लें। इस मिश्रण को घी लगी प्लेट पर फैलाकर ठंडा होने दें और मनचाहे आकार में काट लें।यह बर्फी देखने में खूबसूरत लगेगी और खाने वालों को पसंद आएगी।

रास्पबेरी शाही टुकड़ा

शाही टुकड़ा एक पारंपरिक उत्तर भारतीय मिठाई है, जिसे खास बनाने के लिए आप रास्पबेरी का इस्तेमाल कर सकते हैं।इसके लिए ब्रेड स्लाइस को घी में तलकर अलग रख दें। अब दूध को गाढ़ा करके उसमें चीनी और इलायची डालें और अंत में थोड़ी-सी रास्पबेरी प्यूरी मिलाएं।तली हुई ब्रेड स्लाइस पर यह मिश्रण डालें, ऊपर से कटे हुए बादाम और पिस्ता छिड़कें और ठंडा करके परोसें। इसे खा कर आपका मन तृप्त महसूस करने लगेगा।

रास्पबेरी कुल्फी

आप कुल्फी के स्वाद को दोगुना करने के लिए उसमें रास्पबेरी मिला सकते हैं। रास्पबेरी कुल्फी तैयार करने के लिए सबसे पहले दूध को गाढ़ा करके उसमें कंडेंस्ड मिल्क मिलाएं।इसे अच्छी तरह फेंट लें, ताकि कोई गांठ न रहे। अब इसमें ताजी पिसी हुई रास्पबेरी डालकर अच्छी तरह मिलाएं।इस मिश्रण को कुल्फी के सांचें में भरकर फ्रीजर में जमने दें। जमने के बाद इसे सांचें से निकालकर परोसें।

रास्पबेरी संदेश

संदेश बंगाल की प्रसिद्ध मिठाई है, जिसमें आप रास्पबेरी का खट्टा-मीठा स्वाद जोड़ सकते हैं। रास्पबेरी संदेश बनाने के लिए छेना तैयार करें।इसमें चीनी पाउडर और इलायची पाउडर मिलाकर अच्छे से मसलें, ताकि वह चिकना हो जाए। अब इसमें ताजी पिसी हुई रास्पबेरी मिलाकर छोटे-छोटे गोले बनाएं।इन्हें मनचाहा आकार देकर फ्रिज में रख दें, ताकि ये सेट हो सकें। आप यह संदेश खास अवसरों और त्योहारों पर बना सकते हैं, जो मेहमानों को खूब पसंद आएगा।

अमेरिका में बेघरों की रिकॉर्ड संख्या, सड़कों पर रात गुजारने को मजबूर लाखों लोग

न्यूयॉर्क ,(आरएनएस)। संयुक्त राज्य अमेरिका में आवास संकट गहरा गया है। संघीय आंकड़ों के अनुसार, 2024 में बेघरों की संख्या सबसे अधिक रही।

शुक्रवार को जारी अमेरिकी आवास और शहरी विकास विभाग (एचयूडी) की रिपोर्ट की मानें तो जनवरी 2024 में एक रात में बेघरों की संख्या 7,71,480 थी जो 2023 से 18.1 फीसदी ज्यादा है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इलिनोइस, हवाई और अन्य राज्यों में बेघरों की संख्या मं सबसे अधिक वृद्धि हुई। इन जगहों पर किफायती घरों की चुनौती और प्रवासियों की संख्या बढ़ने के कारण स्थिति और बिगड़ी है।

एचयूडी डाटा के अनुसार, इलिनोइस में बेघर लोगों की संख्या 116.2 प्रतिशत बढ़ी, जिससे इसकी बेघर आबादी 25,832 हो गई। शिकागो क्षेत्र में इस वृद्धि का 91 प्रतिशत हिस्सा प्रवासियों का था। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकागो में आपातकालीन आश्रयों में 13,600 से अधिक प्रवासी और शरणार्थी थे। हवाई में बेघरों की संख्या में 87 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बेघर लोगों की तादाद 11,637 हो गई। माउई में लगी आग के कारण 5,200 से अधिक लोग आपातकालीन आश्रयों में रह रहे थे।

मैसाचुसेट्स में 53.4 प्रतिशत और न्यूयॉर्क में 53.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। न्यूयॉर्क में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से शरण चाहने वालों की वजह से थी, जो बेघरों का लगभग 88 प्रतिशत थे। एचयूडी सचिव एड्रिएन टॉडमैन ने कहा, किसी भी अमेरिकी को बेघर नहीं होना चाहिए। उन्होंने बेघर होने की समस्या को खत्म करने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। कोलोराडो में बेघरों की संख्या 29.6 प्रतिशत बढ़ी और राज्य में 18,715 लोग बेघर थे। कैलिफोर्निया में देश के बेघर लोगों का लगभग चौथाई हिस्सा रहता है। यहां 187,084 लोग बेघर हैं, और यहां 2023 से 3.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। हालांकि लॉस एंजिल्स में बेघरों की संख्या में केवल 5 प्रतिशत की कमी आई है, इसके बावजूद यहां बेघर लोगों के लिए आवास का संकट बरकरार है।

पाकिस्तानी सेना का दावा, 2024 में मार गिराए 925 आतंकवादी

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। पाकिस्तानी सेना का कहना है कि उसने 2024 में पूरे पाकिस्तान में 59,775 ऑपरेशन किए जिनमें 925 आतंकवादी मारे गए और 383 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। यह दावा ऐसे समय में किया गया है कि जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान में तनाव चरम पर है और दोनों पक्ष सीमा पर सैनिक झड़पों में उलझे हुए हैं।समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि ऑपरेशन के दौरान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और अन्य आतंकवादी समूहों के 73 हाई-वैल्यू वाले टारगेट मारे गए। चौधरी ने कहा, इस साल पिछले पांच वर्षों के मुकाबले सबसे अधिक संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गया है।आईएसपीआर प्रमुख ने कहा कि इस साल पाकिस्तान की सेना, कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों और पुलिस की ओर से रोज 179 से अधिक ऑपरेशन किए गए। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों और सीमा सुरक्षा प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

अब बांग्लादेश पुलिस को हिंदू मुक्त बनाने की तैयारी, युनूस सरकार ने भर्तियों पर लगाई रोक

ढाका ,(आरएनएस)। बांग्लादेश में हिंदू विरोधी गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही। अब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश को हिंदू मुक्त बनाने की दिशा में काम कर रहे है। इसके तहत

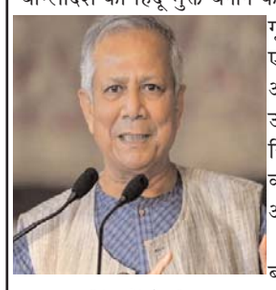

गृह मंत्रालय और लोक सेवा आयोग ने एक आदेश भी जारी किया है, जिसके अनुसार कांस्टेबल से लेकर पुलिस के उच्च पदों पर अब किसी भी हिंदू की नियुक्ति नहीं की जाएगी। इस आदेश के कारण 1500 से ज्यादा हिंदुओं के आवेदन भी खारिज किए गए हैं।

गौर हो कि शेख हसीना के सत्ता से बाहर जाने के बाद से ही बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं के खिलाफ काम किया जा रहा है। शुरुआत में सहायक पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक और डीआईजी रैंक के सौ से ज्यादा हिंदू पुलिस अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इनकी जगह उग्रवादियों, विशेषकर जमात-ए-इस्लामी के सदस्यों को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है।

इसके साथ ही करीब 79 हजार पुलिसकर्मियों की नियुक्तियां रद्द की जा रही हैं। इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया पिछले साल अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। अब अगली भर्ती प्रक्रिया अगले जनवरी से शुरू होगी। गौर हो कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले किए जा रहे हैं। पहले धार्मिक स्थलो, उनके प्रतिष्ठानों पर हमले किए जा रहे हैं। इसके साथ ही सभी हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है।

जंगल में लगी आग ने अर्जेंटीना में नेशनल पार्क के 1,400 हेक्टेयर इलाके को किया नष्ट

ब्यूनस आयर्स,(आरएनएस)। दक्षिणी अर्जेंटीना के रियो नीग्रो प्रांत में जंगल की आग ने नहुएल हुआपी राष्ट्रीय उद्यान की लगभग 1,450 हेक्टेयर ज़मीन को नष्ट कर दिया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, शुक्रवार को पार्क प्रशासन ने एक रिपोर्ट में बताया कि बुधवार को पार्क के दक्षिणी हिस्से में आग लगी थी, जो अब लेक मार्टिन के उत्तरी हिस्से तक फैल गई है। यह क्षेत्र पहले ही 2022 में लगी जंगल की आग से बर्बाद हो चुका था।

इसमें कहा गया, सुरक्षा के लिहाज से, संरक्षित क्षेत्र के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में रास्तों को बंद कर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि आग के पीछे के हिस्से में अग्निशमन प्रयासों को बढ़ाने और बचाव दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 46 अग्निशामकों को तैनात किया गया था। इसके अलावा, जंगल की आग से निकलने वाले धुएं की वजह से दृश्यता बहुत खराब हो गई, इससे हवाई मदद संभव नहीं हो पाई।स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, जंगल की आग का धुआं पहले ही बारिलोचे शहर को प्रभावित कर रहा है, जो अर्जेंटीना के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह शहर सर्दियों में स्की ढलानों और गर्मियों में झीलों और पहाड़ों के लिए प्रसिद्ध है।2024 में अर्जेंटीना के मुख्य रूप से उत्तरी और मध्य हिस्सों में जंगल की आग का बड़ा प्रकोप हुआ, इससे जंगलों और कृषि भूमि का काफी हिस्सा नष्ट हो गया। सूखा और गर्मी के कारण अगस्त और इस सी सितंबर में जंगल में लगी आग और तेज हो गई।ब्राजील और पेरू जैसे कई अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों में भी भीषण गर्मी के कारण जंगल में जगी विनाशकारी आग से भारी नुकसान हुआ।अर्जेंटीना के अधिकारियों के अनुसार, इस साल जंगल की आग ने कम से कम 91,540 हेक्टेयर (226,200 एकड़) जमीन को जला दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन के निधन पर जताया शोक

कहा-भारत-अमेरिका संबंध किए मजबूत, वह सच्चे राजनेता, दयालु और विनम्र व्यक्ति थे

वाशिंगटन, (आरएनएस)। भारत के पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शोक प्रकट किया है। व्हाइट हाउस ने शनिवार को

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का एक बयान जारी किया, जिसमें बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया।

बाइडेन ने कहा कि जिल और मैं भारत के लोगों के साथ भारत के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच आज जो अभूतपूर्व सहयोग है, वह मनमोहन सिंह की रणनीतिक दृष्टि और राजनीतिक साहस के बिना संभव नहीं होता। अमेरिका और भारत सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट से लेकर इंडो-पैसिफिक साझेदारों के बीच पहले क्वाड की शुरुआत तक मनमोहन सिंह ने ऐसी ऐतिहासिक प्रगति की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया जो हमारे देशों और दुनिया को आने वाली पीढ़ियों तक मजबूत बनाए रखेंगी।बाइडेन ने मनमोहन सिंह को एक सच्चे राजनेता, एक समर्पित सार्वजनिक सेवक और एक दयालु और विनम्र व्यक्ति बताया है। उन्होंने मनमोहन के साथ अपनी व्यक्तिगत मुलाकातों को याद करते हुए कहा कि मुझे 2008 में सिनेट विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में और 2009 में उपराष्ट्रपति के रूप में उनके आधिकारिक राज्य दौरे के दौरान मनमोहन सिंह से मिलने का अवसर मिला था। 2013 में उन्होंने मेरा नई दिल्ली में ससम्मान स्वागत किया।

ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले कैंपस लौटें..अमेरिकी विश्वविद्यालयों की 11 लाख छात्रों से अपील

वॉशिंगटन ,(आरएनएस)। राष्ट्रपति-चुने गए डोनाल्ड ट्रम्प के 20 जनवरी 2025 के शपथ ग्रहण की तैयारी के बीच, अमेरिका के कई कॉलेज परिसरों में विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बीच चिंता और अनिश्चितता का माहौल छा गया है। 2023-24 शैक्षणिक वर्ष में 1.1 मिलियन से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र अमेरिकी संस्थानों में नामांकित हैं, और ट्रम्प के कड़े आव्रजन नीतियों के अभियान वादों, जिसमें उनके पिछले यात्रा प्रतिबंध का विस्तार और रेडिकल एंटी-अमेरिकन और एंटीसेमिटिक विदेशी नागरिकों के छात्र वीजा को निरस्त करना शामिल है, ने व्यापक चिंता पैदा कर दी है। देशभर के प्रमुख विश्वविद्यालयों जैसे न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया और यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को सर्दियों की छुट्टियों से पहले ही अमेरिका लौटने की सलाह दी है। यह सावधानीपूर्वक कदम संभावित कार्यकारी आदेशों से उत्पन्न होने वाले यात्रा और वीजा प्रसंस्करण में व्यवधान को कम करने के उद्देश्य से है, जो ट्रम्प के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद लागू हो सकते हैं। प्रमथ प्रताप मिश्रा, 23 वर्षीय भारतीय छात्र जिन्होंने हाल ही में न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से राजनीति विज्ञान में स्नातक किया है, ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए डरावना समय है। जिसमें पिछले वर्ष 27,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र थे, ने छात्रों को अमेरिका के बाहर यात्रा योजनाओं को छोटा करने या रद्द करने की सलाह दी है ताकि किसी भी प्रकार की जटिलताओं से बचा जा सके।कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के ऑफिस ऑफ ग्लोबल लर्निंग ने विशेष रूप से यह सिफारिश की है कि विदेश यात्रा करने वाले छात्र 21 जनवरी को शुरू होने वाले वसंत सत्र से पहले लौट आएं। इस कार्यालय ने चेतावनी दी है कि ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान प्रभावित देशों जैसे कि किर्गिज़स्तान, नाइजीरिया, म्यांमार, सूडान, तंजानिया, ईरान, लीबिया, उत्तर कोरिया, सीरिया, वेनेजुएला, यमन, और सोमालिया सहित देशों को लक्षित करते हुए यात्रा प्रतिबंधों का विस्तार हो सकता है, और संभवत: चीन और भारत जैसे नए देशों को भी शामिल किया जा सकता है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट: पंत के आउट होने पर झल्लाए गावस्कर, बोले ये बेवकूफी भरा शॉट था

मेलबर्न,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच मेलबर्न के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का चौथा टेस्ट मैच खेला जा रहा है।इस मुकाबले के तीसरे दिन एक बड़ा बवाल देखने को मिला। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक खराब शॉट खेलकर 28 रन बनाकर आउट हो गए।इसके बाद कॉमेंट्री कर रहे पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर आग बबूला हो गए और उन्हें काफी कुछ सुनाया।गावस्कर ने गुस्से में कहा,बेवकूफ, बेवकूफ और बेवकूफ। वहां 2 फिल्डर हैं और आप फिर भी ऐसा करते हो। आप पिछला शॉट मिस कर चुके थे और देखो आप कहां कैच आउट हुए हो। यह अपना विकेट फेंकना है। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। मुझे माफ करना। यह एक बेवकूफी भरा शॉट है। यह अपनी टीम को बुरी तरह निराश करना है। उन्हें उस ड्रेसिंग रूम में नहीं बल्कि दूसरे में जाना चाहिए।पंत इस सीरीज में कुछ खास नहीं कर पाए हैं। पर्थ टेस्ट में उनके बल्ले से 1 और 37 के स्कोर निकले थे। इसके बाद दूसरे टेस्ट में उन्होंने सिर्फ 21 और 28 रन बनाए।ब्रिस्बेन टेस्ट में पंत के बल्ले से 9 रन निकले। मेलबर्न की पहली पारी में उनसे एक बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह 37 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। उनके बल्ले से 3 चौके निकले।पंत को स्कॉट बोलैंड ने आउट किया।

डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल ने मचाई तबाही, श्रीलंकाई गेंदबाजों का बना दिया मजाक

नईदिल्ली (ए)। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच 3 टी 20 मैचों की सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल ने तूफानी पारी खेलते हुए श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और कीवी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया. कीवी टीम की कमान मिशेल सेंटनर के हाथ में है. बतौर आधिकारिक कप्तान उनका ये पहला मैच है।

5 वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए डेरिल मिचेल ने पहले खुद को समय दिया. लेकिन एक बार जब क्रीज पर जम गए उसके बाद लंका के गेंदबाजों के लिए वे काफी खतरनाक हो गए. महिश थिक्षाणा की गेंद पर आउट होने से पहले मिचेल ने 42 गेंद में 4 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 62 रन की पारी खेली.

डेरिल मिचेल के बाद माइकल ब्रेसवेल ने लंका के गेंदबाजों की खबर ली. ब्रेसवेल ने 33 गेंद में 4 चौके और 4 छक्के लगाते हुए 59 रन की पारी खेली. मिचेल के साथ छठे विकेट के लिए उन्होंने 105 रन की साझेदारी भी की जिसकी वजह से कीवी टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 172 रन बना सकी. इन दोनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज नहीं चला।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. हालांकि कीवी टीम को सस्ते में समटेने की योजना कामयाब नहीं हो सकी. मथिश पाथिराना सबसे महंगे गेंदबाज रहे. उन्होंने 4 ओवर में 60 रन लुटाए और सिर्फ 1 विकेट ले सके. बिनुरा फर्नांडो महिश थिक्षाणा और वानिंदु हसरंगा को 2-2 विकेट मिले. 173 रन का लक्ष्य हासिल करने और सीरीज में बढ़त बनाने के लिए श्रीलंका को अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी जो आसान नहीं होने वाली है।

नितीश के शानदार शतक से भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाकर शानदार वापसी की

सुंदर के साथ हुई शतकीय साझेदारी

मेलबर्न (ए)। नितीश कुमार रेड्डी के शानदार शतक नाबाद 105 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतक की सहायता से भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 358 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। इस प्रकार भारतीय टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर मेजबान ऑस्ट्रेलिया से 116 रनों से पीछे है। तीसरे सत्र के बाद खराब रोश्नी और बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया। ऐसे में खेल समाप्त होने की घोषणा कर दी गयी। उस समय नितीश 105 और मोहम्मद सिराज 2 रनों पर खेल रहे थे। नीतीश ने 176 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्का लगाकर शतक लगाया। उनकी वाशिंगटन सुंदर के साथ की हुई 127 रनों की साझेदारी के बल पर भारतीय टीम ने मैच में जबरदस्त वापसी की। इस प्रकार भारतीय टीम ने न केवल फॉलोआन बचाया बल्कि ऑस्ट्रेलिया को करारा जवाब भी दिया। तीसरे दिन के खेल का आकर्षण नितीश और सुंदर के बीच हुई शतकीय साझेदारी रही जिसने मेजबान टीम की सभी चालों को विफल कर दिया। वहीं इससे पहले दूसरे दिन के पांच विकेट पर 164 रनों से आगे खेलते हुए ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा अधिक देर नहीं टिक पाये ऋषभ 28 और रविन्द्र जडेजा 17 पर आउट हुए। इसके बाद नितीश ओर सुंदर ने मोर्चा संभालते हुए मेजबान टीम के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की नितीश के आगे मेजबान टीम की एक न चली।इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। जिसके जबाब में भारत की आधी टीम 164 पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। ऐसे में उसपर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा था पर नीतीश व सुंदर

ने अपनी साझेदारी से उसे टाल दिया। इस मैच में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 3 रनों पर ही आउट हो गये। इसके अलावा केएल राहुल भी 24 रन बना पाए थे। यशस्वी जायसवाल ने 86 रनों की पारी खेली और विराट कोहली के साथ 102 रनों की साझेदारी की। विराट के 36 रनों पर आउट होने के बाद भारतीय टीम ने दो विकेट छह रनों के अंतराल पर ही खो दिये जिससे उसकी मुश्किलें बढ़ी गयीं। वहीं दूसरे दिन यशस्वी जायसवाल की 82 रनों की शानदार पारी की सहायता से भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 164 रन बनाये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत 6 और रविन्द्र जडेजा 4 रनों पर खेल रहे थे। वही इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए । दूसरे दिन के खेल में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही। बल्लेबाजी के दौरान जहां स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं इसके बाद उसके गेंदबाजों ने आधी भारतीय टीम को पेवेलिन भेज दिया।अंतिम सत्र में मेजबान टीम हावी हो गयी। 474 रनों का पीछ करते हुए एक समय भारतीय टीम ने दो विकेट पर 153 रन बनाये थे। इसके बाद छह रनों के अंदर ही भारतीय टीम ने तीन और विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बदकिस्मती से रन आउट हो गये। यशस्वी ने कोहली के साथ 102 रन की साझेदारी की। यशस्वी के रन आउट होते ही भारतीय टीम दबाव में आ गयी। यशस्वी 82 रन बना सके जबकि विराट कोहली ने 36 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे आकाश दीप भी शून्य पर ही आउट हो गये। भारतीय पारी की शुरुआत बेहद खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा तीन रन और केएल राहुल 24 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए।

रिकार्ड पांचवें फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से भिड़ेंगे पटना पाइरेट्स

पुणे,(ए)। रोमांच से भरे दूसरे सेमीफाइनल में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी को हराते हुए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के फाइनल में जगह बना ली है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में शुक्रवार रात को हुए इस मुकाबले में पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया। अब 29 दिसंबर को फाइनल में उसका सामना हरियाणा स्टीलर्स से होगा, जिसने सेमीफाइनल-1 में यूपी योद्धाज को हराया।

पटना की जीत में अयान और देवांक (8-8 अंक) के अलावा डिफेंस से शुभम शिंदे (5), अंकित (4) और दीपक (3) का अहम रोल रहा। पटना के डिफेंस ने 9 के मुकाबले 12 अंक लिए। दिल्ली ने देर से ही सही रेडिंग में बेहतर करते हुए 16 के मुकाबले 17 अंक लिए। इसमें आशू (9) और मोहित (7) चमके।

चौथे खिताब के लिए बेकरार पटना की टीम ने शुरुआती 10 मिनट में 8-3 की लीड बना ली थी। देवांक और अयान लगातार अंक ले रहे थे और डिफेंस भी खुलकर खेल रहा था। दूसरी ओर, दिल्ली के रेडर्स और डिफेंडर संघर्ष करते दिख रहे थे। एक समय दिल्ली ने स्कोर 3-4 कर दिया था लेकिन इसके बाद पटना ने लीड दोगुना से अधिक करते हुए दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

ऑकलैंड ओपन से हटी हालेप

मेलबर्न (ए)। रोमानिया की दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप घुटने और कंधे में दर्द के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग मुकाबलकों से हट गयी है। हालेप ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले

इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस लेने की बात कही है। हालेप ने कहा कि अबुधाबी में एक प्रदर्शनी मैच में भाग लेने के बाद से ही वह पूरी तहर से फिट नहीं हैं। हालेप ने कहा कि कि अपनी टीम के साथ बात करने के बाद सभी इस बात पर सहमत हुए कि सत्र की शुरुआत में देरी करना ही ठीक रहेगा। अब वह रोमानिया में ही होने वाले ट्रांसिल्वेनिया ओपन से वापसी करेंगी। ये टूर्नामेंट तीन फरवरी से शुरू होगा। वहीं ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग मैच छह जनवरी से शुरू होंगे और मुख्य 12 जनवरी से आरंभ होगा।

लवलीना विश्व मुक्केबाजी के एथलीट आयोग में शामिल

नई दिल्ली (ए) । ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को विश्व मुक्केबाजी संघ की नई एशियाई संस्था के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है। । नई एशियाई संस्था में भारत से लवलीना के अलावा अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह सहित छह अधिकारियों को शामिल किया गया है। विश्व मुक्केबाजी संघ का मानना है कि एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को बेहतर बनाने में बीएफआई से जुड़े अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी को देखते हुए इन्हें सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। लवलीना की जिम्मेदारी इसमें एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाना और उनकी बेहतरी के प्रयास करना रहेगा।बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसका काम ये पक्का करना होगा कि मुक्केबाजी 2028 और उसके बाद भी ओलंपिक खेलों में शामिल रहे।''एथलीट आयोग में शामिल लवलीन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, अवसरों और सहायता प्रणालियों को बढ़ाये जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने

के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।'' उन्होंने कहा, ''मेरा ध्यान पूरे एशिया में बेहतर प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, निष्पक्ष अवसरों और मजबूत समर्थन प्रणालियों को आगे बढ़ोन पर होगा जो मुक्केबाजों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।''

बेमौसम बारिश ने मचाई तबाही, कई गांवों में फसल बर्बाद

देर रात से सुबह तक होती रही बारिश

नर्मदापुरम (निप्र)। बीती रात अचानक मौसम में परिवर्तन हुआ है। गर्जना के साथ बारिश हुई जिससे फसलों को नुकसान हुआ है। नर्मदा और तवा नदि किनारे लगाई गई डंगरबाडी की फसल पूरी तरह से बर्वाद हो जाने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बेमौसम हो रही वर्षा ने किसानों को चिंता में डाल दिया है। जिले के मुख्यालय सहित सिवनीमालवा, डोलरिया, सोहागपुर क्षेत्र में कई जगहों पर फसलों को नुकसान होने की जानकारी सामने आई है। किसानों ने राजस्व अमले को सर्वे कर फसल नुकसानी का मुआबजा देने की मांग की हैं।

गेहूं व चने की फसल पर मार

सिवनीमालवा क्षेत्र में जोरदार वर्षा से नुकसान हुआ है। सब्जी सहित गेहूं व चने की फसल को काफी नुकसान हुआ है। रायपुर के किसान विनोद कहार व राकेश कहार ने बताया कि अचानक हुई बारिश से डंगरबाडी की फसल पूरी तरह खराब हो चुकी है। डंगरबाडी की फसल में कम से कम एक लाख की लागत आती है।

मां रेवा समिति के अध्यक्ष विनोद कहार एवं समिति के सदस्य सचिन कहार माखन भाई सोफिया भाई नारायण केवट टिक्कू केवट राजा भाई राकेश कहार सभी ने जानकारी देते हुए प्रशासन से गुहार लगाकर सर्वे करने की मांग की है।

सीवेज के लिए मनमाने व बेढंगे तरीके से खोदी जा रही सड़कों में लोगों के फंस रहे वाहन

बारिश के चलते कहीं कार तो कहीं स्कूटी चालक को हुई परेशानी

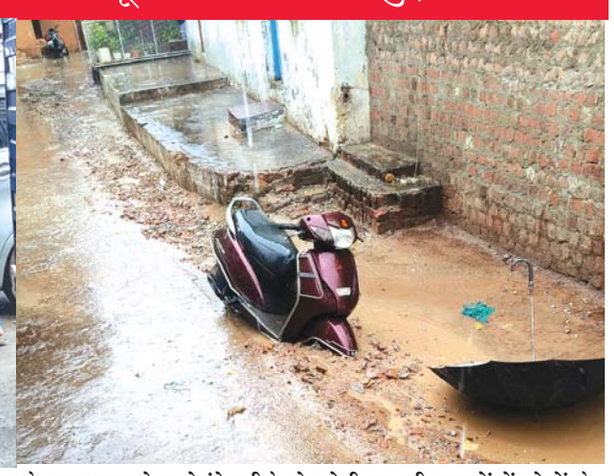

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के सभी वार्डों में सीवेज के लिए ठेकेदार के द्वारा मनमाने व बेढंगे तरीके से खोदी जा रही सड़कों में लोगों के वाहन फंस रहे है। बारिश होने से और ज्यादा परेशानी हो रही है। शनिवार को कहीं कार तो कहीं स्कूटी चालक को परेशानी हुई।

इंद्र का अहंकार मिटाने भगवान श्रीकृष्ण ने उठाया गोवर्धन : आचार्य अविनाश मिश्रा

श्रीमद्भागवत कथा पंचम दिवस

नर्मदापुरम (निप्र)। गीता मैरिज पैलेस में चल रही श्रीमद्भागवत कथा सामूहिक मूलपाठ में श्रोताओं को श्री कृष्ण अवतरण की कथा का रसपान कराते हुए कथा व्यास आचार्य अविनाश मिश्रा ने कहा ष्नंदस्त्वात्मज उत्पन्ने जाता ह्लादो महामनाश्ष् इस अवसर पर भक्तों ने भगवान श्री कृष्ण पर फूलों की वर्षा कर श्रद्धा एवं उल्लासपूर्वक नंदोत्सव मनाया। कथा मे बलि वामन भगवान प्रसंग व श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर व्याख्यान दिया। आचार्य अविनाश मिश्रा ने बताया कि श्रीमद्भागवत महापुराण पुराणों में श्रेष्ठ है। यह उस दर्पण की तरह है जो मनुष्य को आंतरिक सुंदरता का बोध कराता है। भागवत कथा और श्रीकृष्ण में कोई अंतर नहीं है। जो भक्त भागवत सुनते हैंए परमात्मा उनके कानों के माध्यम से उनके हृदय में प्रवेश कर जाते हैं और वहां बैठ कर जन्मों.जन्मों से संचित दुर्गुण का शोधन कर देते हैं। जैसे ही व्यक्ति का मन निर्मल होता हैए उसकी दृष्टि इस भौतिक जगत से हटकर अपने आध्यात्मिक स्वरूप की ओर जाती है। शुद्ध हृदय से वह यह देख पाता है कि यह मानव जन्म उसे जीवन.मरण के चक्र को काटने और गोलोक जाने के लिए मिला है। इसके लिए उसे अपना आचरण शुद्ध रखकर भक्तों के संग भक्ति करनी है और नित्य भागवत कथा का पाठ करना या सुनना है। कलियुग में हरि नाम ही केवल हर समस्या का स्थायी समाधान है और जो इस विषय में संदेह करते हैं वे इस नाम का सिमरन करके इसकी महिमा को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं ।

आचार्य पं मिश्रा ने श्री कृष्ण की विभिन्न लीलाओ का रोचक वर्णन किया तदुपरांत

गोवर्धन लीला का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि ब्रजवासी इंद्र को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ की तैयारी कर रहे थे। भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि आप इंद्र के लिए यज्ञ क्यों कर रहे हो । नंद बाबा ने कहा कि अगर हम इंद्र के लिए यज्ञ नही करेंगे तो इंद्र देवता वर्षा नहीं करेंगे। अगर इंद्र वर्षा नहीं करेंगे तो हमारे खेत में कुछ पैदा नहीं होगा ।भगवान श्री कृष्ण ने कहा इंद्र देव का यह कर्तव्य है कि भगवान ने उसे यह सेवा दी है । अगर तुम्हें यज्ञ करना है तो गिरिराज गोवर्धन के लिए करो। भगवन कृष्ण ने सभी ब्रजवासियों को गिरिराज के लिए यज्ञ करने के लिए मना लिया।ओआचार्य श्री मिश्रा ने कहा कि जब देवराज इंद्र को यह ज्ञात हुआ तो कुपित होकर पूरे ब्रजमण्डल में मेघो की घोर गर्जना कर इस प्रकार जलवृष्टि कर दी मानों महाप्रलय आने वाली है तब प्रभु श्रीकृष्ण ने गौ गोपाल और ब्रजवासियों की रक्षा के लिए अपने दाहिने हाथ कनिष्का पर गोवर्धन पर्वत को उठा कर छत्र स्वरूप धारण कर लिया फिर इंद्र का अहंकार समाप्त हुआ वह भगवान की स्तुति की और भविष्य में उनके पुत्र अर्जुन की रक्षा का वर प्राप्त किया ।गिरिराज गोवर्धन भगवान विष्णु स्वरूप है ।ष् गोवर्धन धराधार गोकुल त्राणकारक। विष्णुबाहु कृतोच्छ्राय गवां कोटिप्रभो भवष् भगवान कृष्ण ने गिरिराज के लिए यज्ञ करके यह सिद्ध किया। अगर भगवान को प्रसन्न कर लिया जाए तो देवी देवताओं को प्रसन्न करने की आवश्यकता नहीं रह जाती। कथा में गिरिराज को 56 भोग लगाया गया और गिरिराज उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 लागू किये जाने की स्वीकृति

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 लागू किये जाने की स्वीकृति दी है। महा-रजिस्ट्रार कार्यालय, भारत सरकार से प्राप्त प्रारूप नियम के अनुरूप मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 1999 की विभिन्न धाराओं में संशोधन किया गया है। मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 के मुख्य बिंदुओं में जन्म और मृत्यु प्रमाण-पत्र के डिजिटल रजिस्ट्रीकरण और इलेक्ट्रॉनिक परिदान का उपबंध, रजिस्ट्रीकृत जन्म और मृत्यु का राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय डाटाबेस तैयार करना, दत्तक ग्रहण किये गये, अनाथ, परित्यक्त, सरोगेट बच्चे और एकल माता-पिता या अविवाहित माता से बच्चे के रजिस्ट्रीकरण प्रक्रिया को सुगम बनाया जाना आदि शामिल है।जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 के प्रारंभ की तारीख को या उसके पश्चात् जन्म लेने वाले किसी व्यक्ति के जन्म की तारीख और स्थान को प्रमाणित करने के लिए जन्म प्रमाण-पत्र उपयोगी है।

युवाओं के सपनों को साकार कर रही है प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना

नर्मदापुरम (निप्र)। देश के निर्माण में युवाओं की योजना भूमिका सबसे अहम है। इसी सोच को साकार करने के लिए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना शुरू की है। यह योजना युवाओं को डिग्री से आगे बढ़कर व्यावसायिक अनुभव और कौशल विकास का अनमोल अवसर देती है, जिससे वे अपने कैरियर में एक मजबूत कदम रख सकें।आज के दौर में जहां व्यावहारिक ज्ञान सबसे बड़ी जरूरत बन गया है, यह योजना युवाओं को इंडस्ट्री की मांगों के अनुरूप तैयार कर रही है। इसका उद्देश्य है युवाओं को सशक्त बनाना और देश के आर्थिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में सतना के आयुष पांडे ने अपने कैरियर की नई शुरुआत की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र आयुष ने ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (नागदा) में इंटर्नशिप के दौरान अपने कौशल को निखारते हुए आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास पाया।आयुष पांडे ने अपने मन की बात बताते हुए कहा कि इस योजना ने मेरे करियर को एक नई दिशा दी। इससे मुझे व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी क्षमता को बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिला। आयुष की यह प्रेरक यात्रा हर उस युवा के लिए मिसाल है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए मेहनत कर रहा है।प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य युवाओं का भविष्य बेहतर बनाना है। यह योजना तकनीकी और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देती है। इंडस्ट्री की आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान करती है।रोजगार के बेहतरीन विकल्प प्रदान करती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देती है।

मध्यप्रदेश के गौरव, वीर योद्धा, स्वतंत्रता सेनानी

भीमा नायक

के 148 वें बलिदान दिवस पर

कृतज्ञ मध्यप्रदेश का शत-शत नमन

मध्यप्रदेश शासन

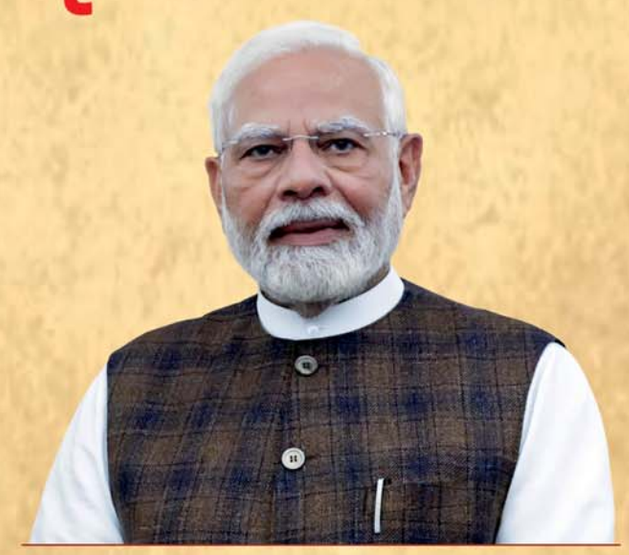

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जनजातीय समाज के सशक्तिकरण के लिए समर्पित मध्यप्रदेश

- जनजातीय गौरव के सम्मान में शहीद भीमा नायक के नाम पर रखा गया बड़वानी शासकीय कॉलेज का नाम, बड़वानी के धाबाबावड़ी गांव में भीमा नायक प्रेरणा केंद्र स्थापित।
- छिंदवाड़ा में श्री बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जबलपुर में राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का लोकार्पण। जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल फ्लायओवर वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाने जायेंगे।
- विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस सेवाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षण हेतु जनजातीय बटालियन गठित करने का निर्णय।
- तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय ₹ 3000 प्रति बोरा से बढ़ाकर किया ₹4000।
- पीएम जन-मन योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल जिलों में ₹ 7 हजार 300 करोड़ से अधिक की लागत से हो रहे अधोसंरचना कार्य। 11 लाख से अधिक भाई-बहन लाभान्वित।
- पीएम जन-मन योजना अन्तर्गत देश में सर्वप्रथम जन-मन कॉलोनी शिवपुरी में बनाकर मध्यप्रदेश योजना में अग्रणी। देश की सबसे पहली जन-मन सड़क बालाघाट जिले में बनकर तैयार।
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत 7 हजार 300 से अधिक जनजातीय बहुल ग्रामों में बुनियादी सुविधाओं के निर्माण और कौशल विकास के हो रहे काम।
- जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण के लिए 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' 11,377 गांवों में क्रियान्वित।

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : जा.प्र. माध्यम/2024

D-11139/24

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com